18 जून 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

दो धनकुबेर सीओ के ठिकानों पर निगरानी का छापा, पटना से लेकर बेगूसराय तक छापेमारी 4

कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट में संक्रमण, 3 दिन से भर्ती

एजेंसी/नई दिल्ली

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पेट में हुआ संक्रमण ठीक हो रहा है। फिलहाल उन्हें निगरानी में रखा गया है। यह जानकारी नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के अध्यक्ष ने मंगलवार को दी। डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि सोनिया की हालत स्थिर है, इलाज का सर हो रहा है। उनके खान-पान पर निगरानी रखी जा रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा है। अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सोनिया गांधी के स्वास्थ्य और खान-पान पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। सोनिया को 15 जून की रात 9 बजे सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया था। इससे पहले शिमला में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वे बेटी प्रियंका के फार्महाउस पर छुट्टियां बिताने गई थीं। मार्च 2024 में भी सोनिया गांधी को तबीयत बिगड़ने के चलते दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 76 साल की सोनिया को बुखार आने की वजह से एडमिट किया गया था। सोनिया का इलाज कर रहे डॉ. डीएस राणा ने बताया कि सोनिया सीनियर कंसल्टेंट की निगरानी में हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। इसके पहले 5 जनवरी 2024 को भी उन्हें वायरल इन्फेक्शन के चलते दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में एडमिट होना पड़ा था।

ईरान में लगातार हो रहे है धमाके: ढह रही है इमारतें, फंसे भारतीय छात्र

एजेंसी/नई दिल्ली

ईरान में इजरायल के हवाई हमलों का सिलसिला जारी है, जिसने देश में अफरा-तफरी मचा दी है। इस बीच, ईरान में अध्ययनरत भारतीय छात्र खौफ और असमंजस की स्थिति में हैं। तेहरान समेत कई शहरों में लगातार धमाकों और इमारतों के ढहने की आवाजें गूंज रही हैं। छात्र भारत सरकार से तत्काल मदद की मांग कर रहे हैं। भारतीय दूतावास ने कई छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है, लेकिन स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है।

धमाकों के बीच जी रहे हैं भारतीय छात्र

शहीद बेहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के एमबीबीएस छात्र काशिफ मुख्तार ने बताया कि धमाकों के बीच केवल कुछ मिनट की शांति मिलती है, फिर से आवाजें गूंजने लगती हैं। लगातार हो रहे हवाई हमलों ने हमारी ज़िन्दगी को दहशत में डाल दिया है। तेहरान की स्थिति विशेष रूप से नाजुक बनी हुई है, जहां हवाई हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा। भारतीय दूतावास ने छात्रों को तेहरान से निकाल कर कुंभ सिटी जैसे सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जहां खाने-पीने और ठहरने की पूरी व्यवस्था है। काशिफ ने कहा कि हमें कुंभ सिटी लाया गया है, लेकिन यह भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। ईरान में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण हवाई मार्ग से देश छोड़ना असंभव है। छात्रों को अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान या अफगानिस्तान के रास्ते सड़क मार्ग से भारत लौटने की सलाह दी गई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं मिले हैं।

शैक्षणिक गतिविधियां ठप : युद्ध के कारण ईरान की कई प्रमुख विश्वविद्यालयों ने परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। कुछ शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन शुरू कर दी गई हैं। प्रशासन और सरकार की ओर से सुरक्षा को लेकर सलाह जारी की गई है, लेकिन युद्ध क्षेत्र से छात्रों को निकालने की प्रक्रिया अभी भी अधूरी है।

कुछ छात्रों को सुरक्षित निकाला गया: ईरान के पश्चिमी अजरबैजान प्रांत में स्थित उर्मिया यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों को अर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला गया है। उनकी दिल्ली वापसी की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, तेहरान और अन्य शहरों में फंसे छात्रों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या और परिवारों की चिंता : छात्रों ने बताया कि इंटरनेट की खराब स्थिति के कारण वे अपने परिवारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं, जिससे भारत में उनके परिजन चिंतित हैं। कुल मिलाकर लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक ईरान में हैं, जिनमें 1500-2000 छात्र हैं।

छात्रों की भारत सरकार से अपील : काशिफ और अन्य छात्रों ने सरकार से अनुरोध किया है कि उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें भी उर्मिया के छात्रों की तरह सुरक्षित भारत लाया जाए। उन्होंने कहा कि हालांकि कुंभ सिटी में सुरक्षा व्यवस्था है, पूरे देश में खतरा बरकरार है। बढ़ती नाजुक स्थिति के बीच भारतीय छात्रों की सुरक्षा और वापसी को लेकर चिंताएं गहराती जा रही हैं। हालांकि इस समस्या का निदान करने का प्रयास अंतराष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है।

खबरें फटाफट

आरएसएस को जानना है तो अंदर आकर जानें

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता अनिल ओक ने कहा है कि इस समय पूरे देश-समाज में संघ को जानने-समझने को लेकर उत्सुकता है, लेकिन उनकी अपील है कि लोग संघ को बाहर से नहीं, बल्कि इसके अंदर आकर जानें। किसी संगठन को जानने-समझने का सबसे बेहतर तरीका यही हो सकता है कि आप उसमें शामिल होकर उसकी विचारधारा को समझने का प्रयास करें। संघ नेता ने कहा कि आज दुनिया जिस परिस्थिति में बढ़ रही है, लोगों को एक अंधकार दिखाई दे रहा है। लोगों को यह भी उम्मीद है कि केवल भारतीय धर्म-परंपरा और संस्कृति ही उन्हें इस अंधकार से बाहर निकाल सकती है। उन्होंने कहा कि जब कई मजबूत राष्ट्र दुनिया को बार-बार नष्ट करने की अपनी क्षमता की बात करते हैं, केवल भारत ही है जो दुनिया को एक परिवार का हिस्सा मानते हुए उसे बसाने की सोच रखता है। इसलिए यदि दुनिया को बचाना है तो भारतीय संस्कृति-परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।अपने जीवन में पंच परिवर्तन अपनाने का प्रयास करें। पंच परिवर्तन के अंतर्गत लोगों को अपनी जातिगत सोच से बाहर आकर सामाजिक समरसता को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। अपने परिवार में बेहतर सामंजस्य के लिए परिवार प्रबोधन, पर्यावरण के अनुसार अपनी जीवनशैली बनाएं।

बायो-एथेनॉल और बायो-डीजल उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा
नीतीश कैबिनेट में 20 एजेंडों पर लगी मुहर

- कई विभागों से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और स्वीकृति दी गई. बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़ा बड़ा फैसला लिया गया
- पांच प्रमुख नदियों, सोन, गंडक, कोसी, मोरहर और पुनपुन के पुनर्भरण अध्ययन के लिए 2.58 करोड़ की मिली मंजूरी

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार की कैबिनेट मीटिंग हुई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस बैठक की अध्यक्षता की। मीटिंग में एक साथ कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बिहार कैबिनेट की बैठक में राज्य के सर्वांगीण विकास से जुड़े 20 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, राजस्व और शहरी विकास से जुड़े कई अहम फैसले शामिल हैं। कैबिनेट ने प्रदेश में बायो-एथेनॉल और बायो-डीजल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर केंद्र सरकार के मानकों के अनुसार खरीद की अनुमति दी। वहीं, सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किसानों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से पांच प्रमुख नदियों, सोन, गंडक, कोसी, मोरहर और पुनपुन के पुनर्भरण अध्ययन के लिए 2.58 करोड़ की मंजूरी दी गई।

लाइब्रेरियन, पीआरटी और सूचना अधिकारियों की नियुक्ति : शिक्षा विभाग से जुड़े तीन अहम नियमावलियों को मंजूरी दी गई, जिनके तहत राज्य के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में लाइब्रेरियन, पीआरटी और सूचना अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने नए पद सृजन और नियमावली 2025 के तहत नियुक्तियों की स्वीकृति दी। इसके साथ ही उद्योग विभाग को नवादा जिले में 70.05 एकड़ भूमि का हस्तांतरण किया गया ताकि वहां औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा सके। वहीं पटना मेट्रो परियोजना के तहत मेट्रो स्टेशन निर्माण के लिए 10.49 करोड़ से भूमि हस्तांतरण को मंजूरी दी गई।

उड्डयन योजना के तहत छोटे हवाई अड्डों को मंजूरी : खेल विभाग, राजस्व सलाहकार समिति, होटल निर्माण, इन-बिल्डिंग टेलीकॉम सुविधाएं और उड्डयन योजना के अंतर्गत छह छोटे हवाई अड्डों के विकास को भी हरी झंडी दी गई। ये फैसले राज्य के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, बाल्मीकीनगर, मुजफ्फरपुर और सहरसा में छोटे हवाई अड्डों को विकसित किया जाएगा। यह काम केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत होगा। इसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और बिहार सरकार के बीच एक समझौता हुआ है। बिहार पुलिस की स्पेशल ऑक्ज़िलरी फोर्स में काम कर रहे भारतीय सेना के रिटायर्ड 1717 जवानों की सेवा को एक साल (2025-26) के लिए और बढ़ा दिया गया है।

विकास और रोजगार के नए मौके बढ़ेंगे: इस समझौते के बाद इन जगहों पर हवाई अड्डों का निर्माण और जरूरी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। जब ये हवाई अड्डे बन जाएंगे, तो लोगों को हवाई सफर की सुविधा मिलेगी और साथ ही स्थानीय विकास और रोजगार के नए मौके भी बढ़ेंगे।

किसानों को दाल-तिलहन पर टरढ का लाभ : 2025-26 से बिहार में दाल और तिलहन (जैसे सरसों) की सरकारी खरीद (अधिप्राप्ति) न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शुरू की जाएगी। इससे किसानों को इन फसलों का उचित दाम मिलेगा और उनकी आय बढ़ेगी। साथ ही राज्य में इन फसलों की पैदावार में भी इजाफा होगा।

सड़क निर्माण विभाग के मशीन से जुड़े काम (जैसे रोड रोलर, मशीनों की देखरेख आदि) को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए उसके पुनर्गठन की मंजूरी दी गई है।

अनुशासनहीन डॉक्टर पर कार्रवाई

डॉ. राकेश कुमार, जो खगड़िया के बेलदौर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित थे, वे 2021 से बिना सूचना के गैरहाजिर थे। इस अनुशासनहीनता के चलते उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग के कई फैसले, बहाली के रास्ते खुले : हाई स्कूलों में क्लर्क (लिपिक) की नियुक्ति के लिए नया नियम बनाया गया है। लाइब्रेरियन (पुस्तकालयाध्यक्ष) की बहाली, तबादला और अनुशासन से जुड़े नियमों की मंजूरी दी गई है। चपरासी (परिचारी) के लिए भी सेवा नियम बनाए गए हैं। शिक्षा विभाग के कामकाज की निगरानी और सलाह के लिए 3 सलाहकार (परामर्शी) संविदा पर बहाल होंगे।

उद्योग और विकास को बढ़ावा देने वाले फैसले :सारण जिले के अमनौर में 70 एकड़ जमीन उद्योग विभाग को दी गई है ताकि वहां फैक्ट्री या औद्योगिक पार्क विकसित किया जा सके। लखीसराय के हलसी में बिजली उपकेंद्र बनाने के लिए 7.40 एकड़ जमीन बिजली कंपनी को भुगतान के बदले दी जाएगी। पटना मेट्रो स्टेशन (मीठापुर) के निर्माण के लिए चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान की 0.15 एकड़ जमीन को ?10.49 करोड़ में पटना मेट्रो प्रोजेक्ट को दिया जाएगा। पटना के होटल पाटलिपुत्र अशोक की जमीन पर 5-स्टार होटल बनाने की मंजूरी मिली है। यह प्रोजेक्ट जन-निजी भागीदारी में होगा। इसके साथ अन्य विभागों के योजनाओं के विकास पर सहमती बनी है। हालांकि यह माना जाना जा रहा है कि चुनाव को देखते हुए यह सभी निर्णय लिए जा रहे है। जिससे जनता को लुभाया जा सके।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने किया तीन ग्रामीणों की हत्या, 12 को बनाया बंधक

एजेंसी/बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर बर्बरता की है। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर चुके नक्सली नेता दिनेश मोडियम के रिश्तेदारों के तीन लोगों की हत्या कर दी। इसके अलावा, सात ग्रामीणों को बुरी तरह पीटा गया और 12 से अधिक ग्रामीणों को बंधक बना लिया गया।

यह हमला नक्सलियों के कमांडर वेला के नेतृत्व में किया गया। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने तीन हत्याओं की पुष्टि की है और पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया है। यह हमला नक्सलियों की ओर से एक प्रतिशोधात्मक कदम प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के रिश्तेदारों को दंडित करना और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बनाना है। घटना के बाद से पेद्दाकोरमा गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और पुलिस बलों को संभावित घात या आईईडी हमलों के खतरे के कारण इलाके में प्रवेश में कठिनाई हो रही है।केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा है।

इस दिशा में छत्तीसगढ़ में कई बड़े अभियान चलाए गए हैं, जिनमें अबूझमाड़ और इंद्रावती नेशनल पार्क जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने सफलता प्राप्त की है। हाल ही में, 31 माओवादियों के मारे जाने से नक्सलियों के गढ़ में बड़ी ध्वस्त हुई है। सरकार नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए पुनर्वास नीति लागू कर रही है, जिसके तहत आत्मसमर्पण करने वालों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस नीति के तहत, कई माओवादी आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। हालांकि, नक्सलियों की ओर से की गई इस ताजा हिंसा से यह स्पष्ट होता है कि उनका प्रभाव अभी भी बना हुआ है और वे आत्मसमर्पण करने वालों को दंडित करने के लिए हिंसा का सहारा ले रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में स्थानीय समुदायों की सुरक्षा और विश्वास को बनाए रखना आवश्यक है। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सुरक्षा बलों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि स्थानीय समुदायों के सहयोग, पुनर्वास और विकास योजनाओं के माध्यम से इसे व्यापक बनाना होगा।

जी-7 में दुनिया की सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं नहीं, भारत हो अब शामिल

एजेंसी/तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने जी7 शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी के कनाडा दौरे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जी7 में अब दुनिया की सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं नहीं रह गई हैं, क्योंकि भारत और चीन अब बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं और इस तर्क के अनुसार उन्हें भी जी7 का हिस्सा होना चाहिए।

फिर भी, जी7 देश बहुत प्रभावशाली हैं। इनके बीच आपसी तालमेल बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि हमारे पीएम को इन देशों से बात करने का मौका मिलना, उनके साथ अपनी चिंताएं साझा करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे पूरा भरोसा है कि पीएम की इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण वार्ताएं होंगी।

राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश से लगा सड़कों पर जाम

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में मंगलवार को तेज बारिश हुई, जिससे सड़कों पर जलभराव हो गया और कई जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। बारिश का असर एयरपोर्ट पर भी पड़ा, जहां 12 फ्लाइटों को डायवर्ट करना पड़ा।

एयरपोर्ट के सूत्रों के अनुसार, खराब मौसम के कारण दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे के बीच 12 उड़ानों का रूट बदल दिया गया। धौला कुआं से एयरपोर्ट और गुड़गांव की ओर जाने वाले नेशनल हाईवे-48 पर भारी ट्रैफिक जाम की खबर मिली है। दिल्ली के कई हिस्सों में ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। महिपालपुर अंडरपास पर भारी बारिश की वजह से वसंत कुंज से एयरपोर्ट और धौला कुआं तक के रास्तों पर जाम लग गया। उत्तम नगर में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहीं विकासपुरी और धौली प्याऊ मार्ग पर भी पानी भर गया है। दिन में भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली और आस-पास के इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। इस अलर्ट में ओलावृष्टि, मध्यम से भारी बारिश और 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाओं की चेतावनी दी गई

केरल में सबसे ज्यादा 35 लोगों ने जान गंवाई, महाराष्ट्र में 29 की हुई मौत
इंदौर में कोरोना से 2 मरीजों की मौत, नए वैरिएंट से 109 की गई जान

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए वैरिएंट से अब तक 109 मौतें हुई हैं। केरल में सबसे ज्यादा 35 लोगों ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में 29 की मौत हुई है। इंदौर में इलाज के दौरान 2 कोविड मरीजों की मौत हो हुई। दोनों मरीज खरगोन और रतलाम जिले के थे। इंदौर में 71 एक्टिव केस हैं। बीते 24 घंटे में 2 नए मामले आए हैं। जून में अब तक 106 केस दर्ज हुए हैं। देशभर में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 6836 पहुंच गई है। 6 दिन में एक्टिव केस 285 कम हुए हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला, जबकि 428 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1659 एक्टिव केस हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। नगालैंड में कोरोना का पहला केस सामने आया। दीमापुर में केस दर्ज हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मरीज में हल्के लक्षण हैं और वह फिलहाल घर में आइसोलेशन में है। डॉक्टर उसकी कड़ी निगरानी कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के लक्षणों वाले मरीजों का इलाज करते समय जून 2023 में जारी की गई कोविड गाइडलाइन पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुरूखों की कीर्ति पर पीढ़ियों ने पोती कालिख, बेच डाली विद्यालय के लिए दान की गई जमीन

- नेहरू स्मारक युगल सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय के दानकर्ता के वंशजों ने परिमार्जन प्लस से अपने नाम कराई जमीन, फिर बेचा

केटी न्यूज/डुमरांव

पुरूखों की धरोहर को संभालना हर पीढ़ी का कर्तव्य होता है। इतिहास में पुरूखों की कीर्ति को बचाने के लिए, पीढ़ियों की संघर्ष की कई कहानियां चर्चित है, लेकिन डुमरांव अनुमंडल में एक ऐसी भी पीढ़ी देखने को मिली है, जिसने चंद रूपयों के लालच में अपने पुरूखों की कीर्ति पर ही कालिख पोतने जैसा काम किया है। लगे हाथ मैनेज के खेल में अंचल प्रशासन ने बिना कुछ पड़ताल किए सरकारी विद्यालय के लिए दान की गई जमीन को निजी व्यक्ति के नाम पर दाखिल खारिज भी कर दिया है। अब मामला डीसीएलआर व एसडीएम के पास पहुंचा है।

मामला अनुमंडल के मुगांव स्थित नेहरू स्मारक युगल सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय के लिए दान की गई जमीन का है। इस जमीन के दानकर्ता मुगांव के हरिवंश राय व नरसिंह राय ने विद्यालय के खेल मैदान के लिए खाता संख्या 147, खेसरा 2875 में कुल 62 डिसमिल जमीन दान की थी, लेकिन उनके ही वंशजों ने गलत तरीके से परिमार्जन प्लस के सहारे जमीन को अपने नाम करा इसमें से 41.5 डिसमील जमीन स्व. छबिला राय के पुत्रों हीरा राय व भानु प्रताप राय को बेच दी।

यहीं नहीं बल्कि राजस्व कर्मी राजू कुमार व अंचल अमीन नथुनी प्रसाद से मिलीभगत कर जमीन खरीदने वालों ने दाखिल खारिज वाद संख्या 214/2025-26 के द्वारा उक्त भूखंड का दाखिल खारिज भी करा लिया है। मामले की जानकारी होते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों को लगा कि अब उनके पुरूखों की कीर्ति के रूप में खड़े गांव के प्लस टू उच्च विद्यालय का अस्तित्व ही मिटने वाला है। जिसके बाद ग्रामीणों ने डीसीएलआर व अन्य संबंधित अधिकारियों को आवेदन दे मामले की जांच व गलत तरीके से कराए गए नेहरू स्मारक युगल सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय की जमीन के परिमार्जन व दाखिल खारिज को रद्द कर उसे पुनः विद्यालय के नाम से करने की गुहार लगाई। मामला प्रकाश में आते ही अंचल प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। अंचल प्रशासन इसके लीपापोती में जुट गया है।

अधिकारी ने की दाखिल खारिज रद्द करने की अनुशंसा

डीसीएलआर के निर्देश पर इस मामले की जांच करने वाले राजस्व अधिकारी कुमार दिनेश ने अपने पत्रांक 135, दिनांक 21 मई 2025 के तहत राजस्वकर्मी राजू कुमार से स्पष्टीकरण पूछने के साथ ही डीसीएलआर को दिए अपने जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट लिखा है कि क्रेता एवं राजस्वकर्मी द्वारा अंचल कार्यालय को गुमराह कर दाखिल खारिज कराया गया है। उन्होंने अपने प्रतिवेदन में यह भी जिक्र किया है कि राजस्व कर्मचारी ने अधिकारी को फंसाने की नियत से निजी स्वार्थ में आकर दाखिल खारिज करने की अनुशंसा की है। राजस्व अधिकारी ने अपने प्रतिवेदन में दाखिल खारिज को अवैध करार कर रद्द करने की बात लिखी है।

ग्रामीणों में है आक्रोश : वहीं, मामला संज्ञान में आने के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यह विद्यालय उनके गांव के लिए गौरव सरीखा है। यहां प्लस टू तक की पढ़ाई होने से गांव के साथ ही आस पास के गांव के छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए दूसरे गांव में नहीं जाना पड़ता है। यह विद्यालय वर्षो से गांव में उच्च शिक्षा का अलख जगाने का काम कर रहा है, लेकिन चंद लोगों ने इसके अस्तित्व को मिटाने की साजिश की है, ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले में राजस्वकर्मी के साथ वरीय अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

दोषी कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

" नेहरू स्मारक युगल सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय मुगांव की जमीन का गलत तरीके से जमाबंदी व दाखिल खारिज कराने की शिकायत मिली है। इस मामले की जांच की जाएगी। विद्यालय की जमीन का गलत तरीके से दाखिल खारिज कराने वालों तथा इसमें दोषी पाए गए कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

\- राकेश कुमार, एसडीएम, डुमरांव

खबरें फटाफट

ट्रेन से कटकर अज्ञात वृद्ध की मौत

डुमरांव। डुमरांव रेलवे स्टेशन के पूर्वी गुमटी के पास मंगलवार की सुबह एक 65 वर्षीय वृद्ध की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। देरशाम तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, हादसे के कारण भी तलाशे जा रहे हैं।

डुमरांव पुलिस ने छह वारंटियों को दबोचा

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने फरार चल रहे छह वारंटियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को डुमरांव थाना क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में छापेमारी कर इन आरोपियों को पकड़ा गया। सभी के खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी किया था। प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़े गए सभी अभियुक्त काफी समय से फरार चल रहे थे। सुबह से ही छापेमारी कर सभी छह आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान टेढ़ी बाजार के रामनाथ साह, राजू कुमार, पकड़ी मोहल्ला के सुनील सोनार, चतुरशालगंज के प्रेम यादव, जूठन की गली निवासी सोनू ठाकुर व साफखाना रोड निवासी विद्यानिवास के रूप में की गई है।

गिरी गाज: सिविल सर्जन ने भाजपा नेता से दुर्व्यवहार मामले में किया शो-कॉज

सिमरी सीएचसी के प्रभार से हटाए गए रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रेमचंद प्रसाद

- संतोषजनक जबाव नहीं देने पर होगी विभागीय कार्रवाई
- रेडियोलॉजिस्ट के लापरवाही से दो सप्ताह से अनुमंडलीय अस्पताल का अल्ट्रासाउंड बाधित, मरीजों को झेलनी पड़ी है भारी फजीहत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के अल्ट्रासाउंड संचालक सह सिमरी सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रेमचंद प्रसाद को आखिरकार लापरवाही का खामियाजा भुगतना ही पड़ा है। सीएस डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने उन्हें सिमरी सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी के पद से हटा दिया है तथा 16 जून को 10.59 बजे उनके भेजे गए उनकी आकस्मिक छुट्टी के आवेदन को रद्द करते हुए उनका एक दिन का वेतन काट दिया है तथा उनसे शो-कॉज भी पूछा है।

बता दें कि डॉ. प्रेमचंद प्रसाद सिमरी सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के अलावे डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में प्रत्येक सोमवार को अल्ट्रासाउंट का संचालन भी करते है, लेकिन पिछले दो सोमवार से उनके लापरवाही के चलते अनुमंडलीय अस्पताल में अल्ट्रा साउंड का लाभ गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल पा रहा था। उनके लापरवाही के चलते ही नौ जून को अल्ट्रा साउंड कक्ष दोपहर 11.38 बजे तक बंद था तो पिछले सोमवार को पूरे दिन नहीं खुल पाया। इस दौरान दर्जना गर्भवती महिलाएं इस भीषण गर्मी में अल्ट्रा साउंड खुलने का इंतजार कर रही थी।

इस दौरान अल्ट्रा साउंड बंद होने की सूचना पर पहुंच भाजपा नेताओं ने इस मामले में जमकर हंगामा किया था तथा डीएस से लगायत सीएस तक से शिकायत की थी। भाजपा नेताओं का कहना था कि ऐसे लापरवाह कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इनकी लापरवाही से सरकार की बदनामी हो रही है।

सीएस ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए डॉ. प्रेमचंद प्रसाद के आकस्मिक अवकाश आवेदन को अस्वीकार कर दिया। साथ ही उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। जब तक उनका जवाब प्राप्त नहीं हो जाता, तब तक उनका वेतन अवरुद्ध रखने का आदेश भी जारी कर दिया गया है। सीएस द्वारा जारी पत्र के अनुसार, संबंधित चिकित्सक का अवकाश आवेदन 16 जून को सुबह 10.59 बजे ईमेल के माध्यम से प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए छुट्टी की अनुमति मांगी थी, लेकिन यह आवेदन न तो पूर्व में दिया गया था और न ही इसके साथ कोई चिकित्सीय प्रमाणपत्र या किसी वरिष्ठ पदाधिकारी की अनुमति संलग्न थी।

इस मामले को गंभीर मानते हुए सिविल सर्जन ने डॉ. प्रेमचंद को सिमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार से भी हटा दिया है। सीएस ने स्पष्ट कहा है कि चिकित्सक की अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को अल्ट्रासाउंड सेवा पूर्णतः ठप रही, जिससे मरीजों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। ऐसे में डॉ. प्रेमचंद को मुख्यालय बिना अनुमति छोड़े जाने पर स्पष्ट रूप से जवाब देना होगा कि उन्होंने किस आधार पर ऐसा किया।

युवाओं ने की भ्रष्ट डॉक्टर व कर्मियों पर कार्रवाई की मांग

दूसरी तरफ मंगलवार को डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार से मिल युवाओं ने अनुमंडलीय अस्पताल के डॉक्टरों तथा कर्मियों की लापरवाही व उनके संवेदनहीनता की शिकायत की। एसडीएम ने उन्हें आश्वत किया कि दोषी लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व युवा भाजपा नेता दीपक यादव ने किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। दीपक यादव ने कहा, हम ईमानदार चिकित्सा व्यवस्था की स्थापना के लिए लड़ रहे हैं। या तो भ्रष्ट कर्मचारी अस्पताल छोड़ दें या फिर ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं। इस आंदोलन में भाजपा नेता अभिषेक रंजन संटू, मित्रा मुखिया सिंह कुशवाहा, राहुल सूर्यवंशी, शिवजी शर्मा, आकाश कुमार सहित कई युवा शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अस्पताल की अन्य सुविधाओं को लेकर भी आवाज बुलंद की और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की मांग की।

एक नजर

सेंट्रल जेल के कैदियों को मिलेगा कंप्यूटर का प्रशिक्षण

बक्सर। अब बक्सर केन्द्रीय कारा के कैदी माउस क्लीक कर देश दुनिया की जानकारी से रूबरू होने के साथ ही अपने ज्ञान को भी बढ़ाएंगे। राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) बक्सर के द्वारा उन्हें सीमित समय का कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 11 जून से 15 दिनों का होगा, जिसमें पहले दौर के लिए 30 बंदियों का चयन इस प्रशिक्षण के लिए किया गया है। इस प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए कारा एवं राज्य सुधार सेवाएं गृह विभाग ने दस कंप्यूटर सेट बंदियों के लिए उपलब्ध कराया गया है। विदित हो कि 11 जून को अरविन्द कुमार चौधरी भाप्रसे अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग बिहार के द्वारा आदर्श केन्द्रीय कारा, बेऊर, पटना, केन्द्रीय कारा, बक्सर एवं शहीद खुदीराम बोस केन्द्रीय कारा, मुजफ्फरपुर में बंदियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। अधीक्षक केंद्रीय कारा बक्सर के द्वारा बताया गया कि बंदियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा एवं अच्छा प्रदर्शन करने वाले बंदियों को राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बक्सर के द्वारा लेवल-2 स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसकी जानकारी मिलते ही एक तरफ चयनित कैदियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

युवाओं ने श्रमदान कर वार्ड एक की मुख्य नाली की सफाई कर पेश की मिसाल

नावानगर। सोनवर्षा के वार्ड एक में गंदे पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत दिलाने के लिए युवाओं ने एकजुट होकर श्रमदान किया और मुख्य नाली की सफाई कर डाली। बीते कई दिनों से नाली जाम होने के कारण गली में गंदा पानी जमा हो गया था, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। गंदे पानी के कारण गली में बदबू फैल गई थी और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया था, जिससे डेंगू व अन्य बीमारियों का खतरा मंडराने लगा था। नाली जाम होने की शिकायत कई बार वार्ड के लोगों ने जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रखंड में संबंधित विभाग तक पहुंचाई गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के चलते युवाओं ने खुद पहल करने का फैसला किया। वार्ड एक के दर्जनों युवाओं ने सुबह से ही झाड़ू, फावड़ा, बाल्टी और पाइप लेकर सफाई अभियान शुरू किया। यहां तक की युवाओं ने नाली से कूड़ा कचरा निकाल कर ट्रेलर के माध्यम गांव के बाहर गड्ढे में फेंकवाए। लगभग चार घंटे की मेहनत के बाद पूरी नाली की सफाई कर दी गई, जिससे पानी का बहाव फिर से सामान्य हो गया और जलजमाव की समस्या खत्म हो गई। स्थानीय निवासी मृत्युंजय ओझा ने कहा कि युवाओं की यह पहल काबिल-ए-तारीफ है। प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को भी इस तरह की समस्याओं पर समय रहते ध्यान देना चाहिए।" सफाई अभियान में शामिल युवा अजमेर खान, आलमगीर आलम, तुफानी लाल, साधु मियां, लाल बाबू, मुनीर मियां, गुड्डू मियां, कुर्बान अली, राजा अली समेत अन्य ने बताया कि हमने मिलकर यह काम किया ताकि मोहल्ले के लोगों को परेशानी से राहत मिल सके। अब हर महीने इस तरह का स्वच्छता अभियान चलाने की योजना है।

वज्रपात से मृत लोगों के परिजनों को मिली सहायता राशि

केटी न्यूज/चौसा

एक दिन पूर्व नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या एक व वार्ड संख्या 10 में आकाशीय बिजली गिरने से हुई तीन लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवारों को आपदा राहत कोष से चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

राहत राशि का वितरण अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी अंचल पदाधिकारी उद्धव मिश्र नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार, पूर्व जिला पार्षद डॉ. मनोज कुमार यादव, वार्ड पार्षद आनंद रावत, पार्षद प्रतिनिधि अशोक यादव और वार्ड पार्षद चंदन चौधरी भी उपस्थित थे। एसडीओ अविनाश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता पहुंचाने का निर्देश है, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें आर्थिक सहारा मिल सके। वही, डा. मनोज कुमार यादव ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचाव के लिए प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। राहत राशि प्राप्त करते समय परिजन भावुक हो उठे। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

ओवरलोड वाहनों ने बिगाड़ी पुराना भोजपुर से टीचर ट्रेनिंग स्कूल तक सड़क की सूरत

डुमरांव। सरकार चाहे कितना भी सड़कों को गड्ढा मुक्त होने का दावा करें। लेकिन, शहर के मुख्य सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग 120 की स्थिति बेहद खस्ताहाल है। ये सड़क शासन के दावों की पोल खोल रही है। खास बात तो यह है कि गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस सड़क के निर्माण के लिए ना तो पथ निर्माण विभाग कोई ठोस कदम उठा रही है और ना ही नगर परिषद प्रशासन।

जनप्रतिनिधि हो या अधिकारी, उनकी गाड़ियां भी इसी सड़क से गुजरती है। सड़क पर उभरे गड्ढे के कारण अक्सर बाइक चालक व तीन पहिया वाहनों के चालक काफी मुश्किल से इसे पार कर पाते है। पुराना भोजपुर मिशन स्कूल से टीचर ट्रेनिंग स्कूल तक करीब तीन किलोमीटर तक की दूरी पर आधा दर्जन से अधिक ऐसे स्पॉट बन गये है जहां सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो गयी है। आये दिन कई दुर्घटनाएं होती रहती है। सड़क को सबसे ज्यादा नुकसान ओवरलोड ट्रक पहुंचा रहे है। रात के अंधेरे में बालू लदें ओवरलोड ट्रकों की कतार लगी रहती है। हर दिन इस सड़क से सैकड़ो की संख्या में ट्रकें गुजरती है। जिससे गड्ढों की गहराई व दायरा भी बढ़ता जा रहा है। नया थाना, कलावती लॉज मोड़, व्यापार मंडल तथा लंगटू महादेव मंदिर के पास सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आये है। इस सड़क की हालत ग्रामीण इलाके की सड़कों से भी खराब हो गयी है।

जिलाधिकारी ने जिले के सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

नए वोटर एनवीएसपी पोर्टल या वोटर हेल्प लाइन एप पर कर सकते हैं आवेदन: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने मंगलवार को आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 से संबंधित कार्यो को लेकर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष व सचिव के साथ क्लेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक की।

इसमें उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि वर्तमान में निर्वाचन सूची में पंजीकरण के लिए अर्हता तिथि एक जनवरी के अतिरिक्त एक अप्रैल, एक जुलाई एवं एक अक्टूबर 2025 को 18 वर्ष आयु पूरा करने वाला कोई भी व्यक्ति निर्वाचक सूची में पंजीकरण हेतु प्रपत्र-6 में आवेदन कर सकता है। निर्वाचक सूची में ऑन-लाईन पंजीकरण करने हेतु एनवीएसपी पोर्टल/वोटर हेल्प लाइन एप पर आवेदन किया जा सकता है। बैठक में उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से 17-19 आयु वर्ग के छूटे हुए युवा निर्वाचकों एवं महिला निर्वाचकों को अधिक से अधिक पंजीकरण हेतु जिलाधिकारी ने अनुरोध किया गया।

यह डाटा ईआरओनेट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया: जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि मई-2025 का मासिक पुलिंग डेटा के अनुसार निम्नवत संख्या में विधान सभावार नाम पंजीकरण, विलोपन या संशोधन किया गया। यह डाटा ईआरओनेट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। साथ ही जिला राजनीतिक पार्टी व्हाट्सएप ग्रुप में भी साझा कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि बीएलए की सूची को संधारित करने हेतु विभागीय स्तर पर एक नया पोर्टल विकसित किया गया है। उक्त पोर्टल पर बीएलए की प्रविष्टि/संशोधन हेतु सभी राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराया गया है, जिसे माध्यम से राजनैतिक दलों द्वारा बीएलए-1 एवं बीएलए-2 की प्रविष्टि/संशोधन किया जायेगा।

राजनैतिक दल द्वारा शत-प्रतिशत बीएलए की नियुक्ति अब तक नहीं की गई है, कुछ दलों ने एक भी बीएलए की नियुक्ति नहीं किया है। जिलाधिकारी ने खेद व्यक्त करते हुए सभी राजनैतिक दलों से अनुरोध किया कि आयोग के निर्देश पर सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति का कार्य पूर्ण कर लें एवं बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक अपंजीकृत नामों को निर्वाचक सूची में जोड़ा जाय।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
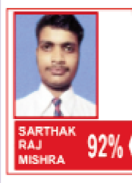
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 | Biology : 91
English Core : 97 | Physics : 91
Physical Education : 96 | Business Studies : 86
Mathematics : 92 | Economics : 83
TOPPERS- STD. X
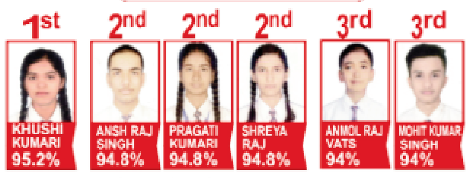
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
Mathematics : 100 | Sanskrit : 100 | Social Science : 97
Science : 100 | English : 95 | Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.

INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

असामाजिक तत्वों ने रातोंरात जेसीबी से गिराया मंदीर, लोगों ने किया प्रदर्शन

- घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीओ व एसडीपीओ, लोगों को समझा किया शांत
- कार्रवाई का दिया आश्वासन

केटी न्यूज/आरा

जिले में आधी रात लगभग 50 साल पुराना हनुमान मंदिर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। मामला आरा अनुमंडल के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र स्थित मोपति बाजार का है। जहां मंगलवार की सुबह जब लोग सुबह उठे तो मंदिर ध्वस्त पाया। जिसके बाद ग्रामीणों ने जैसे ही मंदिर की हालत देखी तो गुस्से में सड़क पर उतर आए और बिहटा-पिरो मुख्य मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि देर रात कुछ असामाजिक तत्व जेसीबी मशीन लेकर आए और मंदिर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

मंगलवार और शनिवार को यहां पूजा-अर्चना करते थे स्थानीय लोग : वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद सिकरहटा थाना की पुलिस टूटे हुए मंदिर के समीप पहुंची। मलबे में बिखरे भगवान हनुमान की मूर्ति के टुकड़े, टूटी हुई दीवारें और बिखरा प्रसाद देख उनके चेहरे पर तनाव साफ नजर आ रहा था। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह मंदिर पिछले 50 साल से गांव के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का अहम हिस्सा रहा है। लोग हर मंगलवार और शनिवार को यहां पूजा-अर्चना करते थे। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि इस तरह आस्था का प्रतीक मंदिर रातोंरात जमींदोज कर दिया जाएगा। वहीं लोगों का आरोप है कि यह कृत्य हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने की साजिश है और दोषियों को जल्द से जल्द चिन्हित कर सख्त सजा दी जानी चाहिए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। ग्रामीणों ने दावा किया है कि घटना को अंजाम देने वाले लोग गांव के ही हो सकते हैं या बाहर से आए किसी गिरोह का हिस्सा हो सकते हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने एहतियातन गांव में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है।

एक नजर

मिली राहतः रिमझिम फुहारों के साथ मानसून ने दी दस्तक, किसानों की जगी उम्मीद

बक्सर। मंगलवार को जिले में रिमझिम फुहारों के साथ ही मानसून की शुरुआत हो गई। हालांकि, बारिश बहुत हल्की हुई, बावजूद इस बारिश से मानसून की दस्तक होने से किसानों के चेहरे खिल गए है। किसानों का कहना है कि 22 जून से आद्रा नक्षत्र शुरू हो रहा है। जो किसान रोहिणी में बिचड़ा डाले है वे आद्रा में रोपनी की शुरुआत करेंगे, जबकि जो किसान अभी तक बिचड़ा नहीं डाल पाए है वे बिचड़ा डालेंगे। धान की फसल के लिए मानसून का सक्रिय होना जरूरी है। अभी तक मौसम जिस कदर तल्ख हो रहा था तथा हीट वेब चल रही थी, उससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी। किसानों का बिचड़ा बचाने के लिए जद्दोजोहद करनी पड़ रही थी। किसानों की मानें तो मानसून समय पर आने से धान का उत्पादन बेहतर होता है। वैसे भी जिले के दक्षिणी हिस्से को धान का कटोरा कहा जाता है। किसान मनोज यादव, संजय यादव, दयाशंकर तिवारी आदि ने बताया कि समय से बारिश होने से धान की पैदावार व उसकी क्वालिटी दोनों बेहतर होती है। वहीं, दोपहर बाद आकाश में बादल छाने, ठंडी हवा चलने तथा हल्की बारिश होने से भीषण गर्मी से राहत मिल गई है। बता दें कि पिछले एक महीने से लोग भीषण गर्मी से परेशान थे। हीट वेब के कारण लोगों का बुरा हाल हो गया था। मौसम में आए इस बदलाव ने लोगों को हीट वेब से राहत दिला दिया है। तापमान कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

इटाढ़ी में आकाशीय बिजली से पशुपालक की मौत, प्राकृतिक आपदा का बढ़ रहा संकट

बक्सर। जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही प्राकृतिक आपदाओं ने जनजीवन को भयभीत कर दिया है। जिले में वज्रपात की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। रविवार को सोनपा गांव में वज्रपात से एक युवक की मौत हुई थी, वहीं सोमवार को चौसा और राजपुर क्षेत्रों में चार लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए थे। इसी क्रम में मंगलवार को इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत लोहन्दी गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई। गांव निवासी 31 वर्षीय पशुपालक विनोद पाल की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। विनोद अपने गांव के आसपास स्थित मैदान में भेड़ें चरा रहे थे, तभी अचानक मौसम बदला और तेज बारिश के साथ वज्रपात होने लगा। दुर्भाग्यवश, एक बिजली की चपेट में वे आ गए। घटना की पुष्टि करते हुए लोहन्दी पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि यह बेहद दुखद और अत्यंत दुखद है और इसकी जानकारी तुरंत अंचल पदाधिकारी को दे दी गई है। मृतक विनोद पाल, गांव के निवासी बबन पाल के पुत्र थे और पशुपालन से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। गणमान्य लोगों ने कहा प्राकृतिक आपदा की यह लगातार हो रही घटनाएं चिंता का विषय बन चुकी हैं। जिला प्रशासन को चाहिए कि वज्रपात से बचाव के लिए ग्रामीण इलाकों में जागरूकता फैलाए, और प्रभावित परिवारों को मुआवजा तथा आवश्यक सहायता प्रदान करे। वहीं स्थानीय लोग भी मौसम खराब होते ही सतर्कता बरतें और खुले स्थानों में जाने से बचें।

माले ने फिलिस्तीनी जनता के साथ राष्ट्रीय एकजुटता दिवस के तहत आरा में मार्च निकाला

आरा। भाकपा-माले ने फिलिस्तीनी जनता करके साथ राष्ट्रीय एकजुटता दिवस के तहत आरा में मार्च निकाला। यह मार्च माले जिला कार्यालय श्रीटोला से निकलकर बस स्टैंड में सभा आयोजित किया। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले नेताओं ने कहा कि इजराइली सरकार द्वारा गाजा में किये जा रहे नरसंहार और युद्ध अपराधों की तीव्र भर्त्सना की गयी और ईरान समेत इस पूरे क्षेत्र में इजराइल-अमेरिकी साम्राज्यवादी धुरी द्वारा जारी सैन्य आक्रमण की निंदा की गयी। माले नेताओं ने कहा कि फिलिस्तीनी लोगों और साम्राज्यवाद व औपनिवेशिक प्रभुत्व का प्रतिरोध कर रहे तमाम लोगों के साथ व्यापक अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। आगे माले नेताओं ने मोदी सरकार की खामोशी की तीव्र निंदा करते हुए, इसे युद्ध अपराधों के साथ मिलीभगत जैसा कृत्य करार दिया और सरकार द्वारा भारत के ऐतिहासिक उपनिवेशवाद विरोधी, साम्राज्यवाद विरोधी व फिलिस्तीन समर्थक पक्ष के साथ दगाबाजी करने की आलोचना की। उन्होंने भारत के लोगों से इस बदलाव को खारिज करने और राष्ट्रीय मुक्ति के संघर्षों के साथ एकजुटता की गौरवमयी विरासत को बुलंद करने का आह्वान किया। मार्च में भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य विजय ओझा, नगर सचिव सुधीर कुमार, राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, अमित बंटी, हरिनाथ राम,राजेन्द्र यादव, संतविलास राम, मिल्टन कुशवाहा, मु. राजन, रणधीर कुमार, राणा अभय सिंह, अजय कुमार राम, प्रमोद रजक, सुरेंद्र पासवान आदि शामिल थे।

बाइक सवार ने बुजुर्ग को मारी टक्कर मौत

आरा। सकड्डी-नासरीगंज मार्ग जिले के चांदी थाना क्षेत्र के चांदी एवं हरदास टोला गांव के बीच सोमवार की शाम बाइक सवार ने सड़क किनारे टहल रहे एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के हरदास टोला गांव निवासी स्व.मुन्द्रिका यादव के 59 वर्षीय पुत्र रामलायक यादव है एवं वह पेशे से किसान थे। इधर मृतक के बेटे अशोक यादव ने बताया कि वह हर रोज की तरह सोमवार की शाम करीब साथ बजे घर से खाना खाने के बाद टहलने के लिए सड़क पर निकले थे। उसी दौरान चांदी एवं हरदास टोला गांव के बीच बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण द्वारा इसकी सूचना उन्हें मिली। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां इलाज के दौरान सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड परिसर के पुरुष ऑब्जरवेशन वार्ड में मंगलवार की दोपहर उन्होंने दम तोड़ दिया। जिसके पश्चात परिजन अपनी स्वेच्छा से शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी संध्या देवी व दो पुत्र अशोक कुमार एवं ओम प्रकाश है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी संध्या देवी का रो-रोकर बुरा हाल था।

खबरें फटाफट

लापता होने की प्राथमिकी दर्ज

सासाराम। कोचस थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती की लापता होने की पीड़ित पिता ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव से युवति की लापता होने होने के बाद पिता ने लिखित आवेदन दिया है। प्रथम दृष्टि या मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत होता है। पीड़ित पिता अपने फर्द बयान में बताया है कि उनकी बेटी एक सप्ताह पूर्व घर से लापता हो गई है, जिसके बाद काफी खोजबीन की गई। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया। अंत मे पीड़ित पिता ने लापता होने की थाने में लिखित आवेदन दे प्राथमिकी दर्ज कराई है।

शुक्रवार को आयोजित होगा जनता दरबार

बिक्रमगंज। आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु आयोजित होने वाले जनता दरबार के समय-सारणी में बदलाव किया गया है। बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि अब यह दरबार सप्ताह में केवल एक दिन शुक्रवार को 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। पूर्व में यह जनता दरबार हर मंगलवार एवं शुक्रवार को होता था, लेकिन प्रशासनिक कारणों एवं प्रक्रिया के सुदृढ़ संचालन को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था में आंशिक संशोधन किया गया है।

एसडीएम के निर्देश पर जेसीबी जब्त

दावथ। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नोनहर गांव के आहर में जेसीबी से मिट्टी कटाई कर रहे एक जेसीबी को एसडीएम प्रभात कुमार ने जब्त किया। मामले को लेकर खनन निरीक्षक अमित राज ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि एसडीएम की सूचना पर पुलिस जब्त जेसीबी को लेकर थाने के लिए चली तो कुछ लोगों ने वाहन को रोक सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि जब्त जेसीबी के मालिक के विरुद्ध खनन निरीक्षक रोहतास ने प्राथमिकी दर्ज कराई है, वहीं सरकारी कार्य में बाधा डालने को लेकर अरुण कुमार सिंह पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में जेसीबी के चालक सुजीत कुमार तथा अरुण कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

निजी व सरकारी विद्यालय बंद लेकिन आंगनबाड़ी चालू; छोटे बच्चों को हो रही परेशानी

भीषण गर्मी में खुले हैं आंगनबाड़ी केंद्र हीट वेब का शिकार हो रहे हैं नौनिहाल

- प्रखंड स्तरीय अधिकारी विभाग के आदेशों का दे रहे हैं हवाला

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से आम जनजीवन बेहाल है। हालांकि अब मानसून आने ही वाला है लेकिन अब भी तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। ऐसे में जिला प्रशासन ने सरकारी और निजी विद्यालयों को आगामी 23 जून तक बंद रखने का आदेश जारी किया है ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आंगनबाड़ी केंद्र अब भी खुले हुए हैं, जिससे छोटे-छोटे बच्चों को चिलचिलाती धूप में आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की दोहरी नीति बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। जहां एक तरफ बड़े बच्चों के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं, वहीं आंगनबाड़ी में आने वाले तीन से छह वर्ष के मासूम बच्चों को भीषण गर्मी में केंद्र भेजना समझ से परे है।

महत्वाकांक्षी योजना पर लग सकता है ग्रहण : कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चों की तबीयत गर्मी के कारण खराब हो रही है। कुछ ही दिनों पहले डुमरांव के एक बुनियाद केंद्र में बच्चों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया था, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध भी जताया था। मामले में डुमरांव बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नीरू बाला से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद करने का फिलहाल कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, बच्चों को टीएचआर के तहत जरूरी पोषाहार दिया जाता है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है। यदि केंद्रों को पूरी तरह से बंद कर दिया जाता है, तो बच्चे पोषाहार से वंचित हो जाएंगे।

क्या होगा फैसला, देखना तय: वहीं कुछ आंगनबाड़ी सेविकाओं का कहना है कि भीषण गर्मी में खुद कार्यकर्ता भी संकट में हैं। न तो केंद्रों में पंखे हैं, न पेयजल की समुचित व्यवस्था। ऐसे में बच्चों और हम सेविकाओं को काफी कठिनाई होती है, एक सेविका ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सेंटरों में इस भीषण गर्मी में काफी परेशानी हो रही है। मामले को लेकर अभिभावक प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जैसे स्कूलों के लिए गर्मी की छुट्टी की घोषणा की गई है, वैसे ही आंगनबाड़ी केंद्रों को भी तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए, या कम से कम बच्चों को बुलाना अनिवार्य न किया जाए।

बुलाना अनिवार्य न किया जाए: अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ गिरीश सिंह ने बताया कि बच्चों का शरीर अत्यधिक तापमान को सहन नहीं कर पाता, जिससे लू और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं तेजी से हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम में छोटे बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। डॉ सिंह ने सुझाव दिया कि बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य दोनों को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित और व्यवहारिक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। अगर केंद्रों को बंद करना संभव न हो तो कम से कम बच्चों को केंद्र बुलाना अनिवार्य न किया जाए और पोषाहार घर पर पहुंचाने की व्यवस्था हो।

पोषाहार घर घर वितरित करें

सीडीपीओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विभाग की ओर से कोई दिशा-निर्देश आता है तो उसके अनुसार ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि अगर केंद्रों में पठन-पाठन स्थगित भी होता है, तब भी पोषाहार वितरण की व्यवस्था को बरकरार रखा जाएगा, ताकि बच्चों का पोषण प्रभावित न हो। सीडीपीओ ने कहा कि चूंकि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दूर से नहीं आना होता है, ऐसे में छुट्टी को लेकर विभागीय दिशानिर्देश प्राप्त नहीं है। इस मुद्दे पर एक सामाजिक कार्यकर्ता सह रोगी कल्याण समिति के सदस्य अजय राय ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सबसे पहले होनी चाहिए। पोषाहार जरूरी है, लेकिन अगर इसके लिए बच्चों को जोखिम में डालना पड़े तो यह कहीं से भी सही नहीं कहा जा सकता। प्रशासन को कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए, जैसे कि पोषाहार घर-घर जाकर वितरित किया जाए।

बोली सीडीपीओ... अभी तक कोई निर्देश प्राप्त नहीं

"आंगनबाड़ी बंद करने का अभी तक कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। केंद्र बंद हुए तो बच्चों को पोषाहार से वंचित होना पड़ सकता है। हम बच्चों को पौष्टिक आहार मुहैया कराते है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में सामान्य भोजन से अधिक ज्यादा प्रभावशाली है। केंद्र बंद हुए तो बच्चों को पोषाहार देने में कठिनाई होगी।

- नीरू बाला, सीडीपीओ, डुमरांव

सिमरी के एकौना में लावारिश हालत में खड़ी ई-रिक्शा से कट्टा बरामद, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/सिमरी

जिले के सिमरी थाना की पुलिस ने सोमवार की रात थाना क्षेत्र के एकौना गांव में लावारिश हालत में सड़क किनारे खड़ी एक ई-रिक्शा से देशी कट्टा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस अज्ञात ई-रिक्शा चालक के खिलाफ आर्म्स ऐक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात सिमरी पुलिस एकौना गांव में रात्रि गश्त अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक जगह सड़क किनारे लावारिश हालत में खड़ा एक ई-रिक्शा दिखाई पड़ा। पुलिस ने जब आस पास के लोगों से पूछताछ की तो किसी ने ई-रिक्शा या उसके चालक के संबंध में जानकारी नहीं दी। इसके बाद ई-रिक्शा को संदिग्ध मान पुलिस ने जब उसकी पड़ताल की तो चालक के सीट के

नीचे से एक देशी कट्टा मिला। जिसके बाद पुलिस उक्त ई-रिक्शा को जब्त कर थाने लाई तथा उसके रजिस्टेज्शन नंबर के आधार पर उसके ऑनर का पता लगाने में जुट गई है।

सिमरी थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। वाहन चालक का पहचान किया जा रहा है। उसे जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वहीं, ई-रिक्शा से देशी कट्टा की बरामदगी से क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं हो रही है।

पानी में डूबने से युवक की हुई मौत

करगहर। बड़हरी थाना क्षेत्र के बलिगांवां नहर छलका के समीप मंगलवार को पुल पार करने के दौरान अनियंत्रित होकर एक बाइक सवार गहरे पानी में गिर गया।जिससे गहरे पानी डूबने से उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष विश्वजीत कुमार ने बताया कि बड़हरी गांव निवासी शिवपूजन सिंह का पैंतीस वर्षीय पुत्र सुदामा सिंह बाइक से तेंदुआ गांव की ओर जा रहा था। इस बीच बलिगांवां नहर छलका पार करने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर नहर के गहरे पानी में गिर गई। तैरना नहीं आने की वजह से युवक की डूबने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने पानी में उसकी खोजबीन शुरू कर दी।काफी मशक्कत के बाद उन्होंने युवक को बाहर निकाला और तत्काल निजी अस्पताल में ले गए। जहां जांचोपरान्त चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेजा गया है।

बड़हरा प्रखंड में जल्द ही स्थापित होगा डिग्री कॉलेजः राघवेंद्र प्रताप सिंह

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से बड़हरा प्रखंड में डिग्री कॉलेज स्थापित करने के लिए बात हुआ। भोजपुर जिलाधिकारी को बताया कि बड़हरा स्थित पुराना प्रखंड कार्यालय का बहुत बड़ा भूखंड खाली पड़ा है। बड़हरा क्षेत्र एक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। वहां डिग्री कॉलेज नहीं होने के कारण बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आरा जाना पड़ता है।

बड़हरा विधायक ने कहा कि भोजपुर जिलाधिकारी से बात कर पुराने प्रखंड कार्यालय भूखंड पर ही डिग्री कॉलेज बनाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेंजने की बात कहा। जिलाधिकारी ने अपनी सहमति देते हुए यथाशीघ्र अंचल पदाधिकारी से जांच करवा कर सरकार को भेंजने की सहमति दी।विधायक ने कहा कि केन्द्र और बिहार की एनडीए सरकार शिक्षा क्षेत्र में भी बहुत विकास कर रही है और बड़हरा जैसे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खुलने से क्षेत्र में शिक्षा का बहुत तेजी से विकास होगा। यह बहुत सुंदर फैसला है। साथ में जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, उपाध्यक्ष डी. धीरेन्द्र सिंह, धनंजय तिवारी, मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह, उज्जवल सिंह, संजय कुशवाहा आदि थे।

भोजपुर जिला व्यवसायी संघ की जिला स्तरीय बैठक आरा के सर्किट हाउस में हुई आयोजित

व्यवसायी सुरक्षा आयोग का हो गठनः सांसद

- 13 जूलाई को पटना में होगा व्यवसायी महासंघ बिहार का स्थापना सम्मेलन

केटी न्यूज/आरा

जिला व्यवसायी संघ का जिला स्तरीय बैठक आरा के सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता मोहम्मद कलीमुद्दीन उर्फ मुन्ना ने की। बैठक व्यवसायीयों के वेभिन्न मुद्दों के व 13 जुलाई, 2025 को पटना के रविन्द्र भवन में होने वाले व्यवसायी महासंघ बिहार का स्थापना सम्मेलन की तैयारी पर केंद्रित था।

बैठक में सदस्यों ने निर्णय लिया कि स्थापना सम्मेलन की तैयारी के लिए जिले के सभी चट्टी - बाजारों पर प्रचार अभियान चलाया जाएगा और व्यवसायियों को संघ से जोड़ा जाएगा। यह भी निर्णय हुआ कि स्थापना सम्मेलन में सैकड़ों व्यवसायी शामिल होंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए संघ के जिला सचिव सह आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में बेखौफ अपराधियों द्वारा दिन दहाड़े व्यवसायियों की हत्या व दुकानों में लूट हो रही है। भाजपा-जदयू सरकार की पुलिस पंगु गूंगी बहरी बनी हुयी और अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दो बार विधानसभा सदस्य रहा लेकिन भाजपा ने व्यवसायी के इन सवालों पर कभी भी कोई सवाल नही उठाया। भाजपा यह समझती हैं कि व्यवसायी हमारे गुलाम हैं।

सांसद ने कहा कि बिहार सहित पूरे देश का खुदरा व्यवसाय मोदी सरकार द्वारा लगाये गये बचकाने नोटबंदी, कोरोना काल में लगाए गये तीन-तीन बार के अव्यवस्थित लॉकडाउन से बेपटरी हो चुका है। बेतहाशा महंगाई, बेरोजगारी और अब ऑनलाईन व्यापार, जनता की घटती क्रय शक्ति के कारण यहां का व्यवसाय भयंकर तबाही और मंदी के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अडानी-अम्बानी पर मेहरबान मोदी सरकार ईडी-सीबीआई का भयंकर भय देखाकर जीएसटी के हथियार से छोटे-बड़े व्यवसायियों का बेदर्दी से गला रेत रही है। व्यवसायी संघ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने कहा कि आज समय की मांग है की व्यवसायी की सुरक्षा के लिए बिहार में एक मजबूत संगठन की जरूरत है।

व्यवसायियों के सवाल पर लड़ता रहा है संघ: संघ के सम्मानित अध्यक्षरामेश्वर प्रसाद साह ने कहा कि भोजपुर जिला व्यवसायी संघ अपने स्थापना काल से ही व्यवसायियों के सवाल पर लड़ता रहा। अब समय आ गया है कि बिहार अस्तर पर संगठन बने। इस लिए पटना में स्थापन सम्मेलन में सैकड़ों व्यवसायी शामिल होंगे। इनके अलावे राजनाथ राम , भोला यादव, कृष्णा रंजन गुप्ता, श्रीनिवास यादव, विजय कुमार, अदित कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार, धन्नजय यादव, मुख्तार कुरैसी, राजेश कुमार आदि ने सम्बोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से चंदन राज, संतोष कुमार केसरी, हिमांशु कुमार, विजय कुमार गुप्ता, भोला प्रसाद गुप्ता, अब्दुल वहार, राजु चंद्रवंशी, पप्पू कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

ट्रेन से गिरकर बक्सर का किशोर घायल

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर दो के पश्चिमी साइड ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद जीआरपी पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।सूचना पाकर परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार घायल बालक बक्सर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के यादव मोड निवासी मोहन मुसहर का 12 वर्षीय पुत्र दीनबंधु कुमार है। बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह वह बक्सर स्टेशन से ट्रेन पर सवार होकर आरा आ रहा था। जैसे ही ट्रेन आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म के पश्चिम साइड पहुंची। तभी वह असंतुलित होकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में घायल बालक का दोनों पर एवं बाया हाथ बुरी तरह लहूलुहान हो गया है।

आर्यभट्ट विश्वविद्यालय में बोले प्रो. शरद... जल प्रबंधन में तकनीकी नवाचार की आवश्यकता

- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में रिवर फ्लडिंग पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार
- मंत्री जीबेश कुमार बोले-बाढ़ अब आपदा नहीं, विकास का साधन

केटी न्यूज/पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में रिवर फ्लडिंग : वार्निंग एंड डिसेमिनेशन विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार सरकार के शहरी विकास एवं आवास मंत्री जीबेश कुमार ने कहा कि बिहार की भौगोलिक स्थिति विशेष है, जहाँ एक ओर बाढ़ तो दूसरी ओर सूखे की समस्या रहती है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जल प्रबंधन के क्षेत्र में उठाए गए ठोस कदमों के कारण अब बाढ़ सिर्फ आपदा नहीं रही, बल्कि जल संपदा बनकर राज्य के विकास में सहायक बन रही है। सेमिनार का आयोजन आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ रिवर स्टडीज और डी एच आई डेनमार्क के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने जल प्रबंधन में तकनीकी नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया और विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में किए जा रहे अनुसंधानात्मक प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का स्कूल ऑफ रिवर स्टडीज, अडव जलविज्ञान, नदी पारिस्थितिकी और बाढ़ प्रबंधन के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित संस्था है। इंडिया, जल

संसाधन और पर्यावरण परामर्श के क्षेत्र में विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान कर रही है। इस अवसर पर एक्वेयू और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी के बीच ज्ञान साझा करने हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। सेमिनार के दौरान विशिष्ट अतिथि बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कामेश्वर झा ने कहा कि बिहार की प्राकृतिक चुनौतीपूर्ण स्थिति को शोध के जरिए अवसर में बदला जा सकता है। उन्होंने नदी की सिल्ट की समस्या, पूर्व चेतावनी प्रणाली और नीतिगत सुधारों के लिए शोधार्थियों से ठोस पहल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, ऊत्क्र के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट मार्क ब्रिटन ने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एन इंटीग्रेटेड अर्बन, रिवर एंड फ्लड मॉडलिंग प्लेटफॉर्म की व्याख्या की। उन्होंने आधुनिक बाढ़ प्रबंधन टूल्स और उनकी व्यावहारिक उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की जल समस्या का समाधान तकनीकी तरीके से किया जा सके।

सेमिनार के संयोजक डॉ. शाद असगर मोइनी ने बताया कि कार्यक्रम में कुल 77 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 23 शोधार्थी भी शामिल थे। उन्होंने बताया आईआईटी पटना के ओम प्रकाश, नीट पटना के डॉ. रामाकर झा, मौसम सेवा केंद्र के डॉ. प्रभु सी.एन. और इंजीनियर रवि प्रकाश सहित कई विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए। इस मौके पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी के बीच ज्ञान के आदान प्रदान में आपसी सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए इस एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्देश्य नदी और शहरी बाढ़ प्रबंधन से संबंधित समकालीन मुद्दों पर विशेषज्ञों के बीच संवाद स्थापित करना, ज्ञान साझा करना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के अंत में डीएचआई इंडिया के अभिलाष अजय कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और समापन समारोह में स्कूल ऑफ रिवर स्टडीज के डॉ. शाद असगर मोइनी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। सेमिनार ने बाढ़ प्रबंधन में अंतर-संस्थागत सहयोग, तकनीकी समाधान और नीति-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में हीरा टोल जीरोमाइल के पास हुई थी घटना

बेगूसराय: सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत, 3 की हालत गंभीर

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय में एनएच-31 फोरलेन पर आज एक बेकाबू कार की बाइक और टेंपो से टक्कर हो गई। इससे ऑटो सवार मां-बेटा की मौत हो गई। जबकि 2 बाइक सवार सहित तीन लोग घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में हीरा टोल जीरोमाइल के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और कार चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक की पहचान सुपौल के बरैव निवासी अशोक सिंह के बेटे मनीष कुमार (32) और मनीष कुमार की मां सरोज देवी (55) के रूप में की गई है। सुपौल जिला के बरैव निवासी अशोक सिंह का इकलौता बेटा मनीष कुमार इंडिया रिजर्व बटालियन में कार्यरत और झारखंड के पलामू में पोस्टेड था। वह एक सप्ताह पहले 20 दिन की छुट्टी लेकर घर आया था। आज अपनी मां सरोज देवी, पत्नी नीतू कुमारी, बेटा किशन कुमार और शिवाज कुमार के साथ गंगा स्नान के लिए घर से निकले थे। मानसी में ट्रेन से उतरकर सभी लोग एक ऑटो से मुंगेर घाट जा रहे थे। हीरा टोल जीरोमाइल के पास खगड़िया की ओर से तेज गति से आ रहे एक कार चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे एक बाइक में ठोकर मारते हुए ऑटो में भी टक्कर मार दी।

भागलपुर में तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से दो युवकों की मौत

भागलपुर। कहलगांव प्रखंड स्थित लालू कित्ता के नजदीक मंगलवार की दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार तीन युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डब्लू साह (45 वर्ष) और मोनू कुमार (19 वर्ष) की मौत हो गई, जबकि जगत कुमार (22 वर्ष) घायल हो गया है। मृतक और घायल युवक एक ही बाइक पर सवार होकर एकचारी से बाराहाट की ओर जा रहे थे। घायल जगत कुमार ने बताया कि तेज रफ्तार हाइवा ने अचानक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिर पड़े। डब्लू साह हाइवा के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मोनू और जगत घायल हो गए,

जिन्हें 112 पुलिस टीम की मदद से कहलगांव अनुमंडल अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के दौरान मोनू कुमार को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. पवन कुमार गुप्ता ने बताया कि मोनू के सिर और छाती में गंभीर चोटें आई थीं। वहीं घायल जगत कुमार की हालत अब स्थिर है और उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर हाइवा को जब्त कर लिया है, जबकि उसका चालक फरार हो गया। शिवनारायणपुर थानाध्यक्ष राजेश यादव ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पटना सिविल कोर्ट से कैदी फरार

पटना। पटना सिविल कोर्ट परिसर से एक कैदी पुलिस अभिरक्षा को चकमा देकर फरार हो गया। यह कैदी फुलवारी शरीफ जेल से अदालत में पेशी के लिए लाया गया था। शौच जाने का बहाना बनाकर उसने हथकड़ी सरकाई और पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।फरार हुए कैदी की पहचान विकास कुमार के रूप में हुई है, जो बुद्धा कॉलोनी थाने का मुख्य अभियुक्त है। मामले की पुष्टि पीरबहोर थानाध्यक्ष ने की है। उन्होंने बताया कि फरार कैदी की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। यह प्रयास है कि जल्द उसकी गिरफ्तारी हो।

दो धनकुबेर सीओ के ठिकानों पर निगरानी का छापा, पटना से लेकर बेगूसराय तक छापेमारी

केटी न्यूज/पटना

भ्ष्ट्राचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। निगरानी ने दो धनकुबेर अंचलाधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी की। पटना, वैशाली, आरा और बेगूसराय में छापेमारी की गयी। हाजीपुर सदर के तत्कालीन अंचलाधिकारी कृष्ण कुमार सिंह और अंजय कुमार राय के ठिकानों की तलाशी ली गयी। हाजीपुर सदर के तत्कालीन सीओ कृष्ण कुमार सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी ने पटना और आरा स्थित आवास में छापेमारी की। इस दौरान पूरे घर की तलाशी ली गयी। प्राथमिकी अभियुक्त कृष्ण कुमार सिंह, तत्कालीन सीओ, हाजीपुर सदर, ग्राम- सकड्डी, थाना- कोईलवर, जिला-भोजपुर वर्तमान में फ्लैट नं0-302, नमिता इन्कलेव अपार्टमेंट, बैंक कॉलोनी, रूपसपुर, पटना के विरूद्ध छियासठ लाख पन्द्रह हजार पांच सौ उनहत्तर रुपए का प्रत्यानुपातिक धनार्जन का कांड दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। अनुसंधान के क्रम में माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, पटना से प्राप्त सर्च वारंट के आलोक में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के तलाशी दल ने तलाशी ली। वहीं दूसरे प्राथमिकी अभियुक्त अंजय कुमार राय, तत्कालीन अंचलाधिकारी, हाजीपुर सदर, वैशाली सम्प्रति सेवा-निवृत के विरूद्ध प्रत्यानुपातिक धनार्जन के संबंध में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने इनके पटना स्थित दो ठिकानों-बेगूसराय स्थित आवास की तलाशी की कार्रवाई की। प्राथमिकी अभियुक्त अंजय कुमार राय, तत्कालीन सीओ, हाजीपुर सदर, वैशाली सम्प्रति सेवा निवृत, स्थायी पता ग्राम- समसीपुर दियारा, बछवाड़ा, जिला- बेगूसराय के विरूद्ध लगभग छियालीस लाख तेतालीस हजार दो सौ उनासी रूपया का प्रत्यानुपातिक धनार्जन का कांड दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

जुलाई में बनेगी बाल श्रम मुक्त बिहार की रणनीति

पटना। बिहार राज्य बाल श्रम आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक कुमार ने आगामी जुलाई के प्रथम सप्ताह में एक कार्य योजनात्मक बैठक आयोजित करने की घोषणा की। इसमें बाल श्रम उन्मूलन को लेकर ठोस रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार को बाल श्रम मुक्त बनाना एक बड़ी चुनौती है। परंतु यह तभी संभव है जब सरकार, समाज, परिवार एवं प्रशासनिक तंत्र मिलकर समन्वय के साथ कार्य करे। उन्होंने विशेष रूप से परिवार की भूमिका और जन-जागरूकता अभियान के महत्त्व पर बल दिया।बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पुनर्गठन के उपरांत मंगलवार को राजधानी के नियोजन भवन में नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

बिहार के 1,14,668 वार्ड सदस्यों के माध्यम से हुआ है वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति का गठन

वार्ड सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने दी चेतावनी आज करेंगे बीजेपी कार्यालय के समक्ष आत्मदाह

- सरकार की उपेक्षा के शिकार बिहार वार्ड सदस्य संघ के बड़े एक्शन के मूड में

केटी न्यूज/पटना

बिहार में राज्य सरकार द्वारा वार्ड सदस्यों की उपेक्षा से नाराज बिहार वार्ड सदस्य संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय सिंह राठौर के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुमार चौधरी ने 18 जून को आत्मदाह करने की घोषणा की है। उन्होंने यह ऐलान मंगलवार को पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया, जिसमें उन्होंने बताया कि यह आत्मदाह भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना के सामने पूरे राज्य के वार्ड सदस्यों की उपस्थिति में किया जाएगा। गणेश चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार विगत चार वर्षों से वार्ड संघ की मांगों पर कोई विचार नहीं कर रही है। 12 जून को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पंचायती राज से जुड़े संगठनों के साथ बैठक हुई, जिसमें जानबूझकर वार्ड संघ को नहीं बुलाया गया।

यह वार्ड प्रतिनिधियों के प्रति सरकार का सौतेला व्यवहार दर्शाता है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि बिहार के 1,14,668 वार्ड सदस्यों के माध्यम से पंचायतों में वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति का गठन हुआ है, जो राज्य सरकार की योजना के अनुसार कार्य कर रही है।

बावजूद इसके वार्ड सदस्यों को न तो किसी प्रकार की विकास राशि मिली है और न ही योजनाओं में सक्रिय भागीदारी का अधिकार दिया गया है। इससे जनता में असंतोष है और वार्ड सदस्य राजनीतिक उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे राज्य में वार्ड सदस्य लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलनरत हैं, लेकिन बिहार सरकार लगातार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। कोई वित्तीय अधिकार नहीं मिलने से उनके वार्ड क्षेत्र का विकास रुक गया है, जिससे जनता का गुस्सा वार्ड प्रतिनिधियों पर उतर रहा है।गणेश चौधरी ने आत्मदाह को अंतिम विकल्प बताते हुए कहा कि अगर अब भी सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई तो बिहार में लोकतंत्र की सबसे नींव माने जाने वाले वार्ड प्रतिनिधियों का भरोसा पूरी तरह टूट जाएगा। 18 जून को होने वाला यह प्रदर्शन पूरे राज्य के प्रतिनिधियों की वेदना का प्रतीक होगा। गणेश कुमार चौधरी का कहना है कि सरकार की ओर से लगातार वार्ड सदस्यों की मांगों की अनदेखी की जा रही है। उनकी बातों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

बच्चों के प्री एजुकेशन के लिए तैयार होंगे शिक्षक, शुरू होगी ईसीसीई डिप्लोमा की पढ़ाई

यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा, जिसमें नामांकन 12वीं कक्षा के बाद होगा

रांची, एजेंसी। झारखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए शिक्षक तैयार किए जाएंगे।

इसे लेकर राज्य के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू कराई जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) ने इसके पाठ्यक्रम का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। जेसीईआरटी ने इसपर संबंधित सभी स्टेक होल्डर्स से सुझाव मांगे हैं। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद यह लागू हो जाएगा।

यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा, जिसमें नामांकन 12वीं कक्षा के बाद होगा। इसमें नेशनल क्रेडिट फ्रेवमर्क के अनुसार कई क्रेडिट होंगे, जिनका उल्लेख भी करिकुलम में किया गया है। यह पाठ्यक्रम उन युवाओं के लिए तैयार किया गया है जो तीन से आठ वर्ष के बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। पाठ्यक्रम तैयार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले जेसीईआरटी के स्टेट रिसोर्स पर्सन मणिलाल साहू के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पर जोर दिया गया है।

यह बच्चों के समग्र विकास, जैसे कि सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक और शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह करिकुलम दिल्ली एवं कुछ अन्य राज्यों में लागू करिकुलम तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अध्ययन कर तैयार किया गया है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान में इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अधिकतम 50 सीटों पर नामांकन होगा। सरकारी संस्थानों की बात करें तो जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू होगी। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले युवा प्री नर्सरी के साथ-साथ पहली एवं दूसरी कक्षा के शिक्षक बन सकेंगे।

दो वर्ष के पाठ्यक्रम के दौरान अंतिम 90 दिन स्कूलों में कक्षाएं लेनी होगी। कुल 40 क्रेडिट में थ्योरी और प्रैक्टिकल का अनुपात पांच अनुपात तीन का होगा। 20 क्रेडिट थ्योरी तथा 12 क्रेडिट प्रैक्टिकल अर्थात आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

आठ अंक स्कूल एक्सपीरिएंस प्रोग्राम का होगा। थ्योरी में न्यूनतम 40 प्रतिशत तथा प्रैक्टिकल में 50 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) में डिप्लोमा की पढ़ाई शुरू होने से सरकारी स्कूलों में संचालित बालवाटिका (कक्षा एक से पहले) के लिए शिक्षक मिल सकेंगे। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में भी उनकी बहाली हो सकती है।

झारखंड में वर्तमान में मात्र एक संस्थान गढ़वा के गुरुपद शिक्षक प्रशिक्षण कालेज में इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। यहां पढ़ाई पूरा करनेवाले विद्यार्थियों की परीक्षा नहीं हो पा रही थी, क्योंकि झारखंड अधिविद्य परिषद के पास इसके लिए सिलेबस ही नहीं था। करिकुलम लागू होने से न केवल इस कालेज के विद्यार्थियों की परीक्षा हो सकेगी, बल्कि अन्य संस्थानों में भी इसकी पढ़ाई शुरू हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में लचर बिजली व्यवस्था के खिलाफ धरने पर बैठे सांसद, जीएम कार्यालय का भी घेराव

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में लचर विद्युत व्यवस्था के खिलाफ सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग जीएम कार्यालय का घेराव किया और कार्यकर्ताओं संग धरने पर बैठे। दरअसल, हजारीबाग में पिछले 20 दिनों से बिजली की स्थिति बेहद खराब हो गई है। शहर के लोगों को महज 4 से 5 घंटे ही बिजली मिल रह रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र एक–दो घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इसे देखते हुए सांसद की अगुआई में कार्यकर्ताओं और आम जनता ने जीएम कार्यालय घेराव के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज यादव और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी भी मौजूद रहे। हजारीबाग में पिछले 20 दिनों से लचर विद्युत व्यवस्था से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। भीषण गर्मी में अनियमित बिजली आपूर्ति से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। व्यवसायी वर्ग के लोगों को भी दिक्कत हो रही है। फैक्टरी में उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। पिछले दिनों बिजली की समस्या को लेकर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने बिजली विभाग के जीएम से मुलाकात की थी और 2 दिनों के अंदर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया था। सांसद ने कहा था कि यदि बिजली की लचर व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में बिजली की हालत बहुत खराब है। चेतावनी देने के बाद भी बिजली दुरुस्त नहीं हुई। विभाग का रोना है कि डीवीसी बिजली नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि विभाग की इस समस्या से आम जनता को सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि आम जनता बिजली बिल देती है और जनता को बिजली चाहिए। उन्होंने यह कहा कि जब ऐलान किया गया बिजली कार्यालय का घेराव किया जाएगा तो बीते रात से बिजली की स्थिति में कुछ सुधार किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग का यह रवैया दर्शाता है कि यहां के अधिकारी ऐसी ही भाषा समझते हैं। वहीं इस संबंध में हजारीबाग विद्युत विभाग के जीएम दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पिछले दिनों डीवीसी की ओर से पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही थी। इस कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। पिछले दो दिनों से डीवीसी बिजली दे रही है। इस कारण स्थिति में सुधार हुआ है। कुछ टेक्निकल समस्या हुई थी, जिसे दुरुस्त किया जा रहा है। बहुत जल्द स्थिति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग आम जनता को सामान्य विद्युत उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है।

19 जून को झारखंड राजद राज्य परिषद की बैठक, प्रदेश अध्यक्ष चुनाव विवाद का मामला पहुंचा बिहार

रांची, एजेंसी। झारखंड राजद के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवं हुसैनाबाद के विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने 19 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से प्रदेश कार्यालय में राज्य परिषद की बैठक बुलाई है। इस बैठक में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, झारखंड सरकार में श्रममंत्री संजय प्रसाद यादव, विधानसभा में राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, विधायक नरेश सिंह, सभी विधानसभा के राज्य परिषद के सदस्यों के साथ– साथ सभी जिलाध्यक्ष/महानगर अध्यक्ष मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रदेश राजद की ओर से नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव को लगातार बधाई देने वाले नेता प्रदेश कार्यालय पहुंच रहे हैं। राजद के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक और कई बार राजद के प्रदेश अध्यक्ष रहे गौतम सागर राणा, महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने संजय सिंह यादव को निर्विरोध प्रदेश राजद अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दी। मुलाकात के दौरान दोनों वरिष्ठ नेताओं में झारखंड राज्य में संगठन को पंचायत स्तर पर मजबूत करने को लेकर विचार विमर्श हुआ। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी 05 जुलाई को पटना में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद पार्टी स्तर पर राज्य में संगठन विस्तार का व्यापक रोड मैप तैयार करेगा। बधाई देने वाले नेताओं में मदन यादव, सुनीता चौधरी, डॉ मनोज कुमार, मो। इरफान अंसारी, मनोज पांडेय, आबिद अली, इंद्रदेव ठाकुर, चंद्रशेखर भगत, सुधीर गोप, रामकुमार यादव, इम्तियाज हुसैन, मोहर सिंह यादव, धर्मेंद्र महतो, रामभजन सिंह, रामप्रवेश सिंह के नाम शामिल हैं।

पाकुड़ में नकाबपोश अपराधियों ने अंचल निरीक्षक के घर को बनाया निशाना, लाखों के जेवर और नगद लेकर फरार

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ में बेलगाम अपराधियों ने अंचल निरीक्षक के घर पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान अपराधी पीड़ित के घर से सोने और चांदी के ज्वेलरी के साथ नगद लेकर फरार हो गये। 20 की संख्या में अपराधी हथियार से लैस होकर पहुंचे थे। आरोपियों ने पीड़ित के परिवार के साथ मारपीट भी की।जानकारी के अनुसार, पाकुड़ के गोकुलपुर स्थित लड्डू बाबू आम बागान में राजस्व उपनिरीक्षक सह प्रभारी अंचल निरीक्षक शिवाशीष वात्स्यायन के घर में सोमवार रात लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। करीब 20 नकाबपोश अपराधियों ने

हथियार के बल पर लूट की। इस दौरान अपराधियों ने घर में रखे लाखों के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। इसके साथ ही अपराधियों ने घर पर आए मेहमानों के साथ मारपीट भी की। मेहमानों से भी लूटपाट की गई। इसमें एक युवक घायल हो गया। घायल युवक खदानपाड़ा का रहने वाला आदित्य ठाकुर है।वहीं, मामले को लेकर शिवाशीष वात्सायन ने बताया कि हर दिन की तरह सोमवार रात करीब 9-15 बजे के करीब वे बैडमिंटन खेलने के लिए रानी ज्योतिमय स्टेडियम जाने के लिए घर से निकले थे। लेकिन कुछ ही देर बाद उन्हें फोन पर घटना की जानकारी मिली। बताया गया कि अपराधियों ने लगभग आधे घंटे तक घर में उत्पात मचाया। इधर, घायल आदित्य ठाकुर ने बताया कि वह खाना खाकर बाहर टहल रहे थे। तभी करीब 20 की संख्या में नकाबपोश अपराधी घर के अंदर घुसे और मारपीट करने लगे।

सांसद की होने वाली थी नुक्कड़ सभा, हैवी ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर उड़कर मैदान में गिरा, मची भगदड़

अलकडीहा, एजेंसी। जयरामपुर मोदीभिट्ठा बस्ती के मुख्य सड़क को सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना प्रबंधन द्वारा काटे जाने के विरोध में सोमवार को जयरामपुर मुंडा पट्टी में नागरिक एकता मंच की ओर से सांसद ढुलू महतो की सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान दोपहर में परियोजना में ब्लास्टिंग किए जाने से परियोजना का पत्थर उड़कर मोहल्ले के पास मैदान में गिरने से लोगों में भगदड़ मच गई। भड़के ग्रामीणों ने गोलबद्ध होकर परियोजना पहुंच कर कम बंद करा दिया।

कुछ देर बाद आउटसोर्सिंग परियोजना के दर्जनों समर्थकों ने ग्रामीणों को खदेड़ कर कम चालू करा दिया। परियोजना समर्थकों के आतंक से भयभीत ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग परियोजना के समर्थक हेमंत पासवान सहित अन्य के खिलाफ अलकडीहा ओपी में एक महिला व एक युवती ने मारपीट व गाली-गलौज करने की शिकायत की है।

पुलिस ने मामले को लेकर मंगलवार को प्रबंधन के साथ वार्ता कराकर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। बताते हैं कि मुंडा पट्टी में नुक्कड़ सभा चल रहा था। उस सभा को धनबाद सांसद ढुलू महतो संबोधित करने वाले थे। किसी कारण सांसद की सभा रद हो गई।

लोगों ने कहा कि यदि ढुलू महतो सभा स्थल पर पहुंचे होते तो मामला भड़क सकता था। नागरिक एकता मंच के नागेश्वर पासवान, बिहारीलाल चौहान, राजा राम भुइयां, नंदलाल पासवान, सुधीर पासवान, शरीफ कुरैशी, बबलू यादव थे। वहीं, अलकडीहा ओपी प्रभारी ए रौशन ने कहा कि मामला आया है। छानबीन कर कार्रवाई किया जाएगा।

निवेश में पांच से दस गुना वृद्धि का देता था प्रलोभन, 1.53 करोड़ की ठगी करने वाला हापुड़ से गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। सीआईडी के अधीन संचालित साइबर अपराध थाने की पुलिस ने 1 करोड़ 53 लाख 83 हजार 118 रुपये की साइबर ठगी के मामले में एक आरोपित को उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से हापुड़ से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपित आसिफ है, जो उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के कोतवाली हापुड़नगर थाना क्षेत्र के काजीवारा हापुड़ स्थित मकान संख्या 975 का निवासी है।

पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल, एक सिमकार्ड, पांच पासबुक, पांच एटीएम, एक चेकबुक, एक पासपोर्ट, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड व एक प्रोपराइटर स्टांप बरामद किया है। उसपर निवेश में पांच से दस गुना वृद्धि का प्रलोभन देकर यह ठगी करने का आरोप है।

शिकायतकर्ता सरायकेला के व्यवसायी ने 20 मई को साइबर अपराध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि आरोपित ने उनसे वॉट्सऐप के माध्यम से संपर्क कर राशि निवेश का प्रलोभन देकर उन्हें एक लिंक भेजा था।

आरोपित ने कहा था कि उक्त लिंक के जरिये निवेश करने पर ही राशि में वृद्धि का लाभ मिलेगा। वॉट्सऐप पर भेजे गए लिंक के माध्यम से निवेश करवाने के लिए विभिन्न बैंक खाताओं में पैसे

डालने के लिए बोला गया।

दर्ज इस कांड के अनुसंधान के क्रम में बैंक खातों का विश्लेषण कर साइबर अपराध थाने की पुलिस साइबर अपराधी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार की।

साइबर अपराधियों ने जिन बैंक खातों में रुपये निवेश कराए थे, उनमें एक बैंक खाता आईडीएफसी का खाता नंबर 67895372744 भी है। साइबर अपराध थाने की पुलिस ने जांच की तो पता चला कि इस खाते में तीन दिनों में एक करोड़ 14 लाख 96 हजार 100 रुपये क्रेडिट हुआ है।

इस बैंक खाते की जानकारी भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माध्यम से संचालित नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से भी प्राप्त की गई। उक्त पोर्टल से पता चला कि इस खाते के विरुद्ध केरल, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड व तेलंगाना में कुल पांच शिकायतें दर्ज हैं।

साइबर अपराध थाने की पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वॉट्सऐप, टेलीग्राम, गूगल एड आदि के माध्यम से भेजे जाने वाले निवेश आफर से संबंधित विज्ञापन के लिंक पर क्लिक नहीं करें।

लिंक के माध्यम से किसी भी वेब पोर्टल या आवेदन पर रजिस्टर नहीं करें। निवेश के नाम पर वॉट्सऐप, टेलीग्राम के माध्यम से मिलने वाले बैंक खाते में पैसे जमा नहीं करें।

निवेश के लिए सरकार के अधिकृत आवेदन पर ही निवेश करें तथा निवेश के पहले उसके संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त करें। साइबर अपराध का शिकार होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी थाना, साइबर सेल, साइबर क्राइम पोर्टल पर करें।

ब्रिटिश काल की याद दिलाता बोकारो का वाच टावर, देखरेख के अभाव में बन रहा खंडहर, संरक्षण की मांग

बोकारो, एजेंसी। झारखंड राज्य अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरोहर के लिए जाना जाता है। यहां ब्रिटिश काल से जुड़ी कई यादें भी देखने को मिल जाती है। लेकिन समय के साथ अतीत की स्मृतियां धुंधली होती जा रही है। इसी वजह से बोकारो में स्थित ब्रिटिश काल में बना मस्तूल भी धीरे-धीरे खंडहर में बदल रहा है।

जानकारी के अनुसार, बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल क्षेत्र के चतरोचट्टी क्षेत्र में बडकीचिदरी पंचायत के कढमा गांव के पास पहाडी में एक मस्तूल है। इसका निर्माण ब्रिटिश काल में किया गया था। यह मस्तूल वाच टावर के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन देख-रेख और मरम्मत के अभाव में वाच टावर खंडहर में तब्दील हो गयी।

हालांकि, अब भी मस्तूल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने में पीछे नहीं है। इस वाच टावर की खूबसूरती है कि इस पर चढ़कर आप काफी लंबी दूरी तक के नजारा का दीदार कर सकते हैं। आपको वाच टावर

से इलाके के एक छोर से दूसरी छोर तक का दृश्य दिखाई पड़ता है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह एक धरोहर के रूप में है,जो पूर्वजों की याद दिलाती है। ग्रामीणों ने बताया कि ब्रिटिश काल के दौरान इस इलाके में काफी घना जंगल हुआ करता था। ऐसे में वाच टावर का उपयोग घने जंगल में रहने वाले वन्य प्राणियों का अवलोकन करने समेत अन्य कार्यों के लिए किया जाता है। इसके अलावा विविध गतिविधियों में भी वाच टावर को उपयोग में लाया जाता था।

मालूम हो कि इस वाच टावर से झुमरापहाड़ और आसपास का पहाड़ी क्षेत्र दिखाई पड़ता है। लेकिन वर्तमान में वाच टावर का कोई उपयोग नहीं है। वन विभाग वाच टावर की मरम्मत कर इसे खत्म होने से बचा जा सकता है। इस तरह एक ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित किया जा सकता है।

इधर, पर्यावरणविद जटलू महतो ने वन विभाग के डीएफओ से मांग की है कि वाच टावर क्षेत्र को एक धरोहर के रूप में देखा जा रहा है। इसे मरम्मति कर वन विभाग अपने काम में ला सकती है। वहीं, इलाके के ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक स्थान के लिए ही नहीं बल्कि पूरे गोमिया प्रखंड के लिए ऐतिहासिक धरोहर स्थल के रुप में जाना जायेगा।

पाकुड़ में सीआई के घर डकैती : 20 नकाबपोश बदमाशों ने 30 मिनट मचाया उत्पात

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के लडडू बाबू आम बगान के पास स्थित प्रभारी अंचल निरीक्षक शिवाशीष वात्सयान के घर नकाबपोश अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। अपराधी जब लूटपाट मचा रहे थे तब अंचल निरीक्षक घर पर नहीं थे। जानकारी के मुताबिक करीब 20 नकाबपोश बदमाशों ने घर में लगभग 30 मिनट तक जम कर हंगामा मचाया। इसके बाद वे लगभग 5 से 7 लाख रुपए के जेवर और घर में रखे नगदी लूट ले गए।

पीड़ित परिवार की ओर से बताया कि अपराधी आम बगीचे की तरफ से घर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले घर के बाहर खड़े शिवाशीष के रिश्तेदार आदित्य कुमार को बुलाया। बदमाशों ने धारदार हथियार से आदित्य के सिर पर वार किया, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद बदमाश घर में घुस गए। उन्होंने शिवाशीष की पत्नी और अन्य रिश्तेदारों को एक कमरे में बंद कर दिया। बदमाशों ने घर में रखे नगद रुपए और सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। साथ ही घर में रखा कई सामान भी तोड़ दिया।

घटना को लेकर अंचल निरीक्षक शिवाशीष ने बताया कि बदमाशों ने घर में घुसकर मेरी पत्नी से 5 से 7 लाख रुपए के जेवर और घर में रखे नगदी लूट ली है।वहीं सभी का मोबाइल भी लुटेरे के द्वारा ले लिया गया था। भागते समय घर के बाहर मोबाइल को फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि सभी लुटेरों के चेहरे ढके हुए थे। वहीं घटना में घायल आदित्य कुमार के द्वारा बताया गया कि मैं घर के बाहर खड़ा था तभी लगभग 20 लोग अचानक वहां आए और मुझे बुलाया। वहां पहुंचा तो वे लोग मेरे सर पर वार कर दिया जिससे मैं घायल हो गया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता पर मुख्यमंत्री हेमंत कार्रवाई क्यों नहीं करते : बाबूलाल

रांची, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, हेमंत सोरेन सरकार की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल खड़े करते रहे हैं। ताजा मामला गृह विभाग द्वारा डीजीपी कार्यालय से स्पष्टीकरण मांगे जाने से जुड़ा हुआ है। दरअसल पुलिस मुख्यालय द्वारा हाल ही में आठ आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। जिस पर गृह विभाग ने कड़ी आपत्ति जताई है। गृह विभाग ने इस आदेश को नियमविरुद्ध करार देते हुए रद्द कर दिया है। विभाग ने डीजीपी कार्यालय से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है। इसी मुद्दे को लेकर भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता अब न अखिल भारतीय सेवा में हैं, ना सस्पेंड हो सकते हैं, ना उनपर कोई विभागीय कार्रवाई लागू होती है। ना तो उन्हें वेतन मिल रहा है कि मुख्यमंत्री उनका वेतन रोक सकते हैं।

लेकिन पुलिस विभाग के सारे तुगलकी आदेश वही दे रहे हैं। सिपाहियों तक की ट्रांसफ़र-पोस्टिंग कैसे ले-देकर हो रही है पता कर लीजिये। कोई नहीं बताये तो हमें कॉल करिएगा, विस्तार से सब बता देंगे। उन्होंने कहा स्पष्टीकरण किससे मांग रहे हैं

मुख्यमंत्री जी..आपकी चुप्पी और बेबसी क्या

दर्शाती है : बाबूलाल मरांडी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा यह बात आपको कैसे समझ में नहीं आ रही मुख्यमंत्री जी आपकी की चुप्पी और बेबसी क्या दर्शाती है या तो आपको पता नहीं, या आप पूरी तरह अयोग्य हैं। या फिर आपको सब पता है कि इस हालात के लिये आप स्वयं दोषी हैं। यह कौन नहीं जानता है कि झारखंड के कुछ बेलगाम अफसर अब संविधान से नहीं, सत्ता के साथ 'नेटवर्क' से चलते हैं।

क्या है डीजीपी को भेजे गए पत्र में : गृह विभाग ने डीजीपी को भेजे गए पत्र में कहा है कि यह स्पष्ट किया जाए कि किन परिस्थितियों में इन अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। साथ ही, इसमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2010 में जारी संकल्प का भी हवाला दिया गया है।

संकल्प के अनुसार, अखिल भारतीय सेवा के पदाधिकारियों की अल्प अवधि के लिए मुख्यालय से अनुपस्थिति की स्थिति में ऑप्शनल व्यवस्था के तहत अधिकतम एक माह के लिए अतिरिक्त प्रभार देने का निर्णय मुख्य सचिव स्तर से लिया जा सकता है। वहीं, एक माह से अधिक की अवधि के लिए प्रभार सौंपने के लिए मुख्यमंत्री की स्वीकृति अनिवार्य है। लेकिन, 10 जून को पुलिस मुख्यालय, रांची से जारी आदेश में बिना सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के आठ आईपीएस को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने का निर्देश : गृह विभाग ने इसे प्रक्रियात्मक त्रुटि मानते हुए निर्देश दिया है कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस आदेश के बाद अतिरिक्त प्रभार दिए गए आठ आईपीएस अफसरों को पहले की ही स्थिति में काम करना होगा। जबतक उचित प्रक्रिया के तहत नए आदेश जारी नहीं हो जाते हैं।

सुप्रियो बोले-पहले अपना कार्यकाल बताएं मरांडी : बाबूलाल मरांडी के आरोपों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यदि बाबूलाल के पास ट्रांसफर-पोस्टिंग में लेन-देन की इतनी जानकारी है, तो वे यह भी बता दें कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने क्या किया था

सुप्रियो ने तंज कसते हुए कहा, अगर बाबूलाल जी के पास इतने अनुभव हैं, तो हमें तकनीकी जानकारी दें। हम उसे हेमंत बाबू तक पहुंचा देंगे, ताकि अगली बार आपके हिस्से का हिस्सा भी उन्हें इज्जत से पहुंचा दें। उन्होंने यह भी पूछा कि बाबूलाल मरांडी ने डीजीपी को 'शैडो डीजीपी' कहा है, अगर वे इसे असंवैधानिक मानते हैं, तो कोर्ट क्यों नहीं जाते क्या उन्हें संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं रहा।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 8 आईपीएस को सौंपा अतिरिक्त प्रभार, मिली फटकार, गृह विभाग ने रद किया आदेश

रांची, एजेंसी। बिना सक्षम प्राधिकार के ही पुलिस मुख्यालय ने आठ आईपीएस अधिकारियों को खाली पड़े पद पर अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। इसपर राज्य सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने कड़ी आपत्ति की है।

गृह विभाग ने पुलिस मुख्यालय को नियम विरुद्ध कार्य करने के लिए फटकार लगाते हुए लिखा है कि पुलिस मुख्यालय नियम विरुद्ध कार्य नहीं करे। गृह विभाग की कड़ी आपत्ति के बाद पुलिस मुख्यालय ने अतिरिक्त प्रभार संबंधित आदेश को रद कर दिया है।

गृह विभाग ने 13 जून को डीजीपी को पत्र लिखकर अपनी आपत्ति जताई थी। विभाग ने कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के 13 अगस्त 2010 के संकल्प का हवाला देकर उक्त आदेश दिया है।

गृह विभाग ने लिखा है कि आइपीएस संवर्ग से संबंधित रिक्त पदों पर मुख्य सचिव के स्तर से ही एक माह या इससे कम अवधि के लिए अतिरिक्त प्रभार के बिंदु पर निर्णय लेने का प्रविधान है। अगर एक माह से अधिक अवधि के लिए अतिरिक्त प्रभार की आवश्यकता होगी तो इसके लिए मुख्यमंत्री से अनुमति अपेक्षित है।

सुभाषितम्

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

सुप्रीम कोर्ट की अहम् टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने दिया कुमारी की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा ऐसे तो सारा जयपुर आपका हो जाएगा। जयपुर राजघराने ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जयपुर राजघराने ने याचिका दाखिल कर जयपुर के टाउन हॉल को अपनी संपत्ति बताकर मुकदमा दर्ज किया है। जिसकी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जयपुर राजघराने के वंशज के रूप में टाउन हॉल पर राजपरिवार ने दावा किया है। राजस्थान हाईकोर्ट के उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में पद्मिनी देवी और दिया कुमारी की तरफ से कहा गया,राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह म्यूजियम बनना चाहती है। यह सरकारी नहीं राजपरिवार की संपत्ति है। इस निर्माण को नहीं रोका गया तो सरकार का अधिकार हो जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील हरीश साल्वे ने दलील दी। यह मामला कानूनी पेचीदगियों से भरा है। इसमें तीन महत्वपूर्ण मुद्दे संविधान के अनुच्छेद 362 और 363 में पूर्व शासकों और रजवाड़ों के विशेषाधिकार से जुड़े हैं। इन राजे - रजवाडों का अपना इतिहास हैं। यह एक संधि है, जिसमें केंद्र सरकार पक्षकार नहीं है। जयपुर और बीकानेर शासकों के बीच जयपुर राजपरिवार की संधि हुई थी। हरीश साल्वे के इस तर्क पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप आपस में ऐसा अनुबंध करते हैं। बिना भारत सरकार को पक्षकार बनाए, आप कैसे इस तरह से चुनौती दे सकते हैं। इस तरह से तो पूरा जयपुर आपके पक्षकार का हो जाएगा। हर राजा रजवाड़ा सभी सरकारी संपत्तियों पर अपना दावा पेश करेगा। पुरानी रियासतों के वंशज कहेंगे, सारी संपत्तियां उनकी हैं। कोर्ट ने कहा आप कहते हैं, भारत सरकार इस कॉन्ट्रैक्ट में पक्षकार नहीं था। इसलिए, अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा। आखिर टाउनहॉल का क्या विवाद है। साल 1949 में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और भारत सरकार के बीच एक समझौता रियासत के विलय को लेकर हुआ। इसके तहत टाउन हॉल सहित कुछ संपत्तियां सरकारी उपयोग के लिए दी गई थी। उसके बाद 2022 में गहलोत सरकार आई। राजस्थान सरकार ने टाउन हॉल को म्यूजियम बनाने का फैसला किया। इसको लेकर शाही परिवार नाराज हो गया, राजपरिवार ने आपत्ति जताई। 2014 से 2022 तक कई नोटिस और शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज परिवार के खिलाफ फैसला सुना दिया। जिसको लेकर जयपुर राजघराना सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जिसमें दो जजों की बेंच ने यह टिप्पणी की, अभी सुनवाई चल रही है। देखना होगा सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या फैसला करता है। जब भारत स्वतंत्र हुआ था, जो राजा रजवाड़े भारत में शामिल हुए थे। एक समझौते के तहत उनकी निजी संपत्तियों को उन्हें अधिकार में दिया गया था। बाकी रियासत का हिस्सा संघ में विलय हो गया था। राजा रजवाड़ों को प्रिवीयर्स के रूप में एक निश्चित राशि देने का समझौता विलय पक्ष में हुआ था। राजा रिजवाड़ों को कुछ विशेष अधिकार दिए गए थे। उस समय की विलय संधि में राजाओं की निजी संपत्ति, जिसमे राज परिवार का महल, जो जमीन उनके नाम पर थी। गहने, रत्न, आभूषण वगैरा उनको अधिकार में दे दिए गए थे। समझौते के तहत बाकी सारी रियासत और उसकी संपत्तियां संघ में विलय हो गई थी। 1971 में 26 वें संविधान संशोधन के द्वारा सभी राजे- रजवाड़ों को मिले विशेष अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। प्रिवीपर्स बंद कर दिया गया था। जिसके कारण उस समय राजे -रजवाड़े कांग्रेस से विद्रोह कर जनसंघ में चले गए थे। कांग्रेस पार्टी में विद्रोह हो गया था। 1990 के बाद राम मंदिर विवाद को लेकर जिस तरह से पुराने इतिहास के आधार पर मुकदमे बाजी शुरू हुई। पिछले एक दशक में राजे - रजवाड़ों के वंशजो ने मुकदमेबाजी कर सरकारी संपत्ति को हथियाना शुरू कर दिया है। दिया कुमारी राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री हैं जयपुर राजघराने की वंशज होने के कारण वह भी टाउन हॉल और अन्य संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती हैं। कुछ इसी तरह के विवाद अन्य रियासतों के वंशजों ने भी कोर्ट में दायर किए हैं। इस मामले में केंद्र सरकार को पार्टी नहीं बनाकर याचिका कर्ता ने केंद्र एवं राज्य सरकार और संविधान को धोखा देने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात पकड़ ली।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है? यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरु के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो।

युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनिया सहमी

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं, क्योंकि कोई भी देश के लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरुआत की तो लपेटें में पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इसलिए, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल-ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच ?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट? साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वहीं एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए।घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया। साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध का हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, इजरायल की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें आ रही हैं, यरूशलम में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जबकि कई वीडियो में तेल अवीव और यरूशलम के आसमान पर मिसाइलें दिखाई दे रही हैं और उनमें से कई को इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया है,(3) ईरान ने शिराज शहर से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश कर दी है, जिससे उत्तर में हाइफा से लेकर दक्षिण में ईलात तक लगभग पूरे इजराइल में रेड अलर्ट जारी किया गया. तेल अवीव, यरूशलम, बेयर शेवा, हाइफा और दर्जनों अन्य शहरों में हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गई, (4) सेना ने कहा है कि ईरानी मिसाइलों की बौछार से इजरायल में कई जगहों पर हमला हुआ है। आरटी इंटरनेशनल की एक पोस्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद हाइफा शहर में भीषण आग देखी गई,इसने अनाम इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, (5) ईरान में भी नजारा कुछ अलग नहीं है. तेहरान से आई तस्वीरों में रात के समय आसमान में ईंधन डिपो में लगी आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह आग इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस क्षेत्र पर हमले शुरू करने के बाद लगी है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईरानी राज्य के कामकाज पर खतरा बढ़ गया है। (6) ईरान ने शनिवार की देर रात तेल अवीव द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों, मिसाइल कारखानों और सैन्य कमांड केंद्रों पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल के हाइफा पोर्ट और पास की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। (7) हाइफा शहर के स्काईलाइन पर मिसाइलें नजर आईं, जिससे वहां के लोग दहशत में थे, ईरान लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमला करता रहा और इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम इन मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने में जुट गया,(8) पोर्ट पर रासायनिक टर्मिनल में छर्रे गिरे और कुछ अन्य मिसाइल तेल रिफाइनरी पर गिरे, लेकिन पोर्ट की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ, बताया जाता है कि रिफाइनरी पोर्ट से कुछ दूरी पर है, हाइफा पोर्ट उत्तरी इजरायल में स्थित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पोर्ट है, जो दक्षिण की तुलना में अपेक्षाकृत कम अस्थिर क्षेत्र है।

आतंकवाद पर नियंत्रण : एक जटिल कवायद

- राम पुनियानी

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई और पाकिस्तान में आतंकी अड्डों को निशाना बनाया गया. अब, संघर्षविराम लागू हो चुका है, इसलिए यह इस बात पर विचार करने के लिए उचित समय है कि समाज में व्याप्त इस कैंसर जैसी प्रवृत्ति का मुकाबला कैसे किया जाए. 9/11/2011 को ट्विन टावर्स पर हुए आतंकी हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत के बाद से यह मुद्दा अधिक चर्चा में है. इस्लामिक आतंकवादद्द्य शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा. वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृत्ति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्याओं का विक्षिप्तापूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है. भारत में 26/11/2008 को मुंबई पर हमला हुआ जिसमें करीब 200 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसका सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे भी इस हमले में मारे गए थे. इसके समानांतर हमने पहले नदिड़ (2006) और उसके बाद चार आतंकी हमले देखे - मालेगांव, अजमेर, मक्का मस्जिद और समझौता एक्सप्रेस. मालेगांव के मामले में एनआईए ने पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मौत की सजा दिए जाने की मांग की है, जिनकी मोटरसाईकिल का इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया था. इसके अलाव ले. कर्नल पुरोहित पर भी मुकदमा चल रहा है और इसमें स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत) उपाध्याय और हिन्दुत्व राजनीति से जुड़े कई अन्य लोगों का नाम भी सामने आया.

भारत इन आतंकी घटनाओं का सामना कर रहा है और यह जरूरी है कि हम वैश्विक आतंकवाद की जड़ों और उसके भारत पर पड़े प्रभाव पर गहन चिंतन करें. आतंकी हमलों से निपटने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं. पहले पुलवामा और अब पहलगाम के आतंकी हमलों ने हमारी कमियों को उजागर किया है, और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनके संबंध में वैश्विक संस्थाओं से तालमेल करके इनमें से कई कमियों को दूर किया जा सकता है.

एक बात तो यह है भारत में आतंकी हमले करने वाले संगठन पाकिस्तान केन्द्रित हैं. पाकिस्तान की दयनीय दशा है, क्योंकि वह न केवल आतंकी हमलों का केन्द्र है बल्कि स्वयं भी इस नीचतापूर्ण प्रवृत्ति का शिकार है. वर्तमान में कश्मीर आतंकी हमलों के निशाने पर है. कश्मीर में इस समय जारी इस त्रासदी की प्रमुख कर्ताधर्ता उन आतंकी समूहों की शाखाएं हैं जो अफगानिस्तान पर सोवियत संघ द्वारा कब्जा किए जाने के बाद इसकी खिलाफत के लिए अमरीका द्वारा खड़ी की गई थीं.

चूंकि अमेरिका अफगानिस्तान पर काबिज सोवियत सेना का सीधा सामना करने की स्थिति में नहीं था, इसलिए उसने पाकिस्तान में मदरसों की मदद की, उन्हें बढ़ावा दिया, जिनमें मुस्लिम युवकों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा. इसके नतीजे में तालिबान और उसके जैसे संगठन अस्तित्व में आए. महमूद ममदानी गहन शोध पर आधारित अपनी पुस्तक ह्यगुड मुस्लिम बेड मुस्लिमद्ध में बताते हैं कि इन मदरसों का पाठ्यक्रम किस प्रकार अमरीका में तैयार किया गया था जिसमें कम्युनिस्टों को काफिर बताया गया था. काफिरों का कत्ल करना एक लक्ष्य और एक उपलब्धि बताया गया था, और ऐसा करने में यदि जान से हाथ धोना पड़े, तब भी यह चिंताजनक नहीं माना गया था क्योंकि इसके बाद जन्नत मिलना निश्चित था. अमेरिका ने इन मदरसों पर 8 अरब डालर खर्च किए और आतंकियों को 7000 टन हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराए, जिनमें आधुनिकतम स्टिंगर मिसाइल भी शामिल थीं.

इस आतंकी प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर अमरीका पश्चिम एशिया के तेल के कुओं पर नियंत्रण करना चाहता था, जिसके कारण भयावह हालात उत्पन्न हुए और इस इलाके में तबाही आई. स्मरणीय है कि इसी दौर में हंटिंग्टन के ह्यसभ्यताओं के टकरावद्द के सिद्धांत ने जोर पकड़ा. यह तो दुनिया की खुशकिस्मती थी कि तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जिसे ह्यसभ्यताओं के टकरावद्द के विचार के अध्ययन का कार्य विशेष तौर पर सौंपा गया.

समिति ने ह्यसभ्यताओं के गठबंधनद्ध के विचार पर केन्द्रित रपट पेश की जिसका यह निष्कर्ष था कि सभ्यताओं के गठबंधन से दुनिया में तरक्की हुई है. विभिन्न पक्षों ने इस रपट को पर्याप्त महत्व नहीं दिया. आतंकी घटनाओं से उत्पन्न हुआ इस्लामोफोबिया और अमरीकी मीडिया की नकारात्मक भूमिका का इतना प्रबल प्रभाव हुआ कि कई जगहों पर कुरान की प्रतियां जलाई गईं.

इस आतंकी प्रवृत्ति ने भस्मासुर का स्वरूप ले लिया. इसने कई स्तरों पर नकारात्मक भूमिका अदा की. उसके कारण भयावह विनाश हुआ और पाकिस्तान भी इसका शिकार हुआ. हमें याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ऐसे ही एक आतंकी संगठन द्वारा किए गए हमले में मारी गईं थीं. जीटीई (वैश्विक आतंक सूचकांक) चार आंकड़ों - घटनाओं, मौतों, घायलों की संख्या और बंधक बनाए जाने वालों की संख्या - पर आधारित होता है. आतंकवाद के प्रभाव को मापने के लिए पांच वर्षों के भारित औसत का प्रयोग किया जाता है. इस सूचकांक पर पाकिस्तान का स्थान दूसरा और भारत का 14वां है. इसका अर्थ यह है कि पाकिस्तान को भारत से अधिक आतंकी घटनाओं की पीड़ा झेलनी पड़ी है.

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आतंकवाद के शिकारों की सबसे बड़ी संख्या पाकिस्तान में ही है, क्योंकि पाकिस्तान में स्थित मदरसों में ही आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया. जहां भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि किस तरह से उस पर कोई आतंकी हमला न हो, वहीं यह समझना भी आवश्यक है कि आतंक के इस कैंसर के बीज साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा तेल भंडारों पर नियंत्रण रखने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए बोए गए थे और इसे वैश्विक सहयोग से ही जड़ से उखाड़ा जा सकता है.

ह्यद्यपाकिस्तान - जिसके बारे में कहा जाता है कि वह ह्यआतंक का वैश्विक निर्यातक हैद्ध - को 2025 के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान पर प्रतिबंधों संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है. साथ ही उसे परिषद की आतंक-विरोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है. इसी से साफ है कि यह मसला कितना जटिल है. पाकिस्तान की नीतियों को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं, जिनमें एक उभरता हुआ कारक है चीन. जहां पाकिस्तान जवाबदेह है, वहीं यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए उसे बातचीत की मेज तक लाया जाए. भारत में आतंकी हमले रोकने के लिए कश्मीर में लोकतंत्र को सशक्त करने के सभी संभव कदम उठाया जाना भी आज की जरूरत है.

प्लेन हादसा जानबूझ कर नहीं होता

- संजय गोस्वामी

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा बढ़ कर 285 तक हो गई यह याद रखना जरूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफि क कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरूआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्रोतों की जांच की।1951 में एसएई (सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, एक अमेरिकी संगठन है) की एक बैठक में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (उअअ) के इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1938 और 1951 के बीच, आग न लगने वाली दुर्घटनाओं के कारण 60.8 प्रतिशत यात्रियों की मृत्यु हुई, जबकि आग से जुड़ी दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 84.6 प्रतिशत थी। इस पत्र में दुर्घटना जांच के निष्कर्षों के साथ-साथ ब्लैडर टैंक और सेल्फ-सीलिंग फिटिंग के परीक्षण पर चर्चा की गई थी। 1966 में किए गए सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड (उअइ) के एक अध्ययन में 1955 से 1964 के बीच हुई 153 दुर्घटनाओं की जाँच की गई, जो या तो आग के कारण हुई थीं या आग के परिणामस्वरूप हुई थीं। इसमें शामिल 4,559 यात्रियों और चालक दल में से 1,955 गंभीर रूप से घायल हुए, कुल मिलाकर, इन घटनाओं में 1,161 लोग शामिल थे, जिनमें 488 (42%) ने अपनी जान गंवाई। मौतों में से 294 (60%) आग के कारण हुईं और अन्य 57 व्यक्ति गंभीर रूप से जल गए।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है और आपकी वाणी में विशेष मिठास रहेगी जिससे संबंधों में सौहार्द बढ़ेगा।

तुला आपके अधिकारों और संपत्ति में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृषभ आज दिन अत्यधिक व्यस्तताओं से भरा रहेगा। भागदौड़ के कारण थकान हो सकती है।

वृश्चिक आज मन थोड़ा अशांत और अस्थिर रह सकता है, जिससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है।

मिथुन आज दिन वित्तीय दृष्टि से थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं।

धनु यदि आप किसी परीक्षा या साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के संकेत हैं।

कर्क भाग्य के साथ के कारण आप जिस भी कार्य में हाथ डालेंगे उसमें सफलता के संकेत मिलेंगे।

मकर दिन की शुरुआत अच्छे समाचारों से हो सकती है। किसी बहुमूल्य वस्तु या प्रॉपर्टी की प्राप्ति संभव है।

सिंह मानसिक रूप से थोड़ी अशांति, चिड़चिड़ापन और उदासी महसूस हो सकती है।

कुंभ आज दिन सुख से भरा होगा। दिन विवेक और विश्लेषणात्मक सोच में बीतेगा।

कन्या आज आत्मविश्वास से कार्यों को पूरा करेंगे। कार्यों में भी साहसपूर्वक निर्णय लेंगे।

मीन आज करियर में लाभ के योग बने हैं। पारिवारिक मामलों में राहत दिलाने वाली है।

विशेष

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नहीं चलेगा महाभियोग

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग पेश नहीं हो पाएगा। नियमों को लेकर जो सवाल कपिल सिब्बल ने उठाए हैं। उसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट को इन हाउस कमेटी बनाकर जांच करके जस्टिस वर्मा को हटाना होगा। राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ ने जांच पर आपत्ति जताई है। संसद में महाभियोग पेश करके दोनों सदनों के दो तिहाई सदस्यों के बहुमत पर ही न्यायमूर्ति वर्मा को हटाया जा सकता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जज इंक्वायरी एक्ट के तहत न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की बात कह रहे हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संसद में महाभियोग पर कांग्रेस और सपा का मत अलग रहेगा वह अपना समर्थन नहीं देंगे दो तिहाई बहुमत यदि नहीं हुआ तो न्यायमूर्ति वर्मा को नहीं हटाया जा सकेगा। न्यायमूर्ति वर्मा यह जानते हैं इसलिए, उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। सब कुछ सामने होते हुए भी जस्टिस वर्मा जज बने रहेंगे। यही सत्य है।

नोटों की बारामदी नहीं, जांच में क्या साबित होगा

दिल्ली के पूर्व हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा की निवास पर नोट जलने की घटना हुई थी। इसके बाद उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें इस्तीफा देने कहा था। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा नहीं दिया। इसके बाद महाभियोग लाने अथवा जांच के द्वारा हटाने की बात कही जा रही है। बर्मा के यहां से नाते जले हुए नोट पुलिस ने जप्त किये हैं। नाही उनके निवास स्थान से नोट जप्त हुए हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1799 फ्रांसीसी फौजों ने सेंट विसेंट (वेस्टइंडीज) पर कब्जा किया. 1812 अमेरिका ने ब्रिटेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1823 पुर्तगाल नरेश जान छठवें ने एक वर्ष पुराना संविधान निलंबित कर दिया. 1858 ग्वालियर में अंग्रेजों के साथ लड़ते हुए झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की मौत हुई. 1946 गोवा मुक्ति का आंदोलन शुरू. 1953 मिस्र गणराज्य बना. 1953 अमेरिका वायुसैनिक सी- 124 विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर टोक्यो के पास जला, 129 लोगों की मृत्यु. 1956 नया हिन्दू उत्तराधिकार कानून पारित हुआ था. 1965 एल्युएन कोबो दक्षिण वियतनाम के प्रधानमंत्री बने. 1975 सऊदी अरब के शाह फैजल के हत्यारे को सार्वजनिक रूप से मौत की सजा दी गई. 1991 कराची में आतंकवाद विरोधी अदालत के न्यायाधीश व उनके रक्षक और ड्राइवर को बंदूकधारियों ने गोली मार दी.

दैनिक पंचांग

18 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2025 वर्ष का 169 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.35 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 07.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.35 बजे तदनन्तर बालव 00.49 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर $23^{0}24'$ **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872379 **जूलियन दिन** 2460844.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.02 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.20 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.59 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.13 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.21 बजे से
राहुकाल		मीन	23.54 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.24 बजे से
बजे तक		वृष	03.04 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जार्जिया में है आसमान में झूलता डायमंड का रेस्तरां

डायमंड की अंगूठी के बारे में तो हम सब जानते हैं, मगर क्या आपने कभी आसमान में झूलते डायमंड के आकार के रेस्तरां के बारे में सुना है। जो लोगों को रोमांच का अनुभव कराने में किसी भी मायने में कम नहीं है। हम बात कर रहे हैं यूरोपियन देश जार्जिया की राजधानी तबिलिसी के हवा में झूलते रेस्तरां के बारे में।

919 फीट की उंचाई पर बने इस रेस्तरां के दोनों ओर साइकिलिंग के लिए ट्रैक बनाया गया है। यहां से गुजरने वाले साईकिल सवार दशबाशी घाटी के झरनों और गुफाओं के बेहतरीन नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां तक पहुंचने के लिए 787 फीट लंबा एक ग्लास ब्रिज भी तैयार किया गया है।

इस होटल का निर्माण 3.29 अरब रूपये की लागत से बनाया गया है। साल 2019 में इस हैंगिग रेस्तरां को इजरायली कंपनी ने बनवाना आरंभ किया था। जो सैलानियों के लिए खोल दिया गया है। ये रेस्तरा तबिलिसि से 100 कि.मी. की दूरी पर बना है।

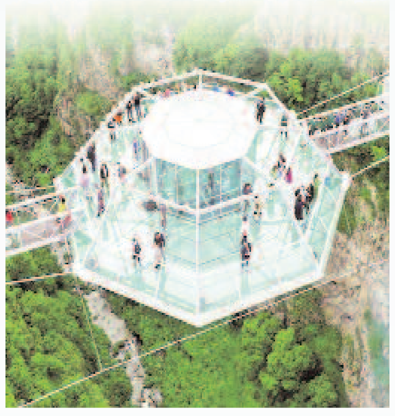

ये है दुनिया का सबसे लंबा गांव है पोलैंड का सुलोस्जोव

पोलैंड का सुलोस्जोव गांव दुनिया का सबसे लंबा गांव बन गया है। यह 9 किमी की लंबाई और करीब 150 मीटर की चौड़ाई में बसा है। इस गांव में करीब 1600 घर हैं, जो एक सड़क के दोनों तरफ बने हैं। इनमें करीब 6200 लोग रहते हैं। वर्ल्ड रूरल प्लानिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह गांव क्राकोव शहर से करीब 30 किमी दूर है। यह 14वीं शताब्दी में बसा था। उस वक्त इसका दायरा करीब 500 मीटर था। लेकिन धीरे-धीरे इसकी बसावट लंबाई में बढ़ती गई। इस गांव के दोनों तरफ हरे-भरे खेत हैं। इस गांव में अस्पताल, बैंक, स्कूल और सारी मूलभूत सुविधाए हैं।

चीन में है पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा

चीन में तीन नदियों के संगम पर लेशान विशालकाय बुद्ध की प्रतिमा, पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा है. इतिहास, आध्यात्म और इंजीनियरिंग यह तीनों क्षेत्रों के लिए कई तरह के आश्चर्य अपने अंदर समेटे हुए है.

लेशान विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन इंजीनियरिंग और कलात्मकता का एक चमत्कार है. चीन के तांग राजवंश के दौरान सीधे एक चट्टान के चेहरे पर उकेरी गई, यह विशाल मूर्ति एक हजार साल से अधिक समय से तीन नदियों के संगम पर नजर रखती है. 71 मीटर ऊंची यह दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है. कई लिहाज से अनोखी ये मूर्ति दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती हैं. लेशान की विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन चीनी शिल्पकला और आध्यात्मिकता का प्रमाण है. चट्टान की सतह पर उकेरी गई यह विशाल प्रतिमा सदियों से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है. यह मूर्ति 71 मीटर ऊंची है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा बनाती है. इसके कंधे 28 मीटर चौड़े हैं. बुद्ध का सिर ही 14.7 मीटर (48 फीट) ऊंचा और 10 मीटर (33 फीट) चौड़ा है. प्रत्येक कान 7 मीटर (23 फीट) लंबा है.

लेशान विशालकाय बुद्ध के पीछे के इतिहास को समझने से इसके महत्व में गहराई आती है. यह मूर्ति सिर्फ कला का एक नमूना नहीं है, यह भक्ति और इंजीनियरिंग कौशल का संकेत है. बुद्ध की इस प्रतिमा को तांग राजवंश के दौरान तराशा गया था, जो 618 से 907 ईस्वी तक चला. निर्माण 713 ईस्वी में शुरू हुआ और पूरा होने में 90 साल लगे. इस परियोजना की शुरुआत हाई टोंग नामक एक चीनी भिक्षु ने की थी, जिसे उम्मीद थी कि बुद्ध नीचे की नदियों के अशांत पानी को शांत करेंगे. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है. लेशान विशालकाय बुद्ध सिर्फ़ इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं है; यह कई लोगों के लिए गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है. यह मूर्ति मैत्रेय का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक बोधिसत्व है, जिसके भविष्य में पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए पृथ्वी पर प्रकट होने की उम्मीद है. तीर्थयात्री और पर्यटक समान रूप से इस स्थल पर अपना सम्मान प्रकट करने और आशीर्वाद लेने आते हैं. बुद्ध की शांत अभिव्यक्ति के बारे में कहा जाता है कि यह उन लोगों को शांति और सुकून देती है जो इसे देखते हैं. ऐसी प्राचीन और विशाल संरचना को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों की जरूरत होती है. लेशान विशालकाय बुद्ध को सालों से बचाए रखाने की कोशिशें होती रही हैं. इस मूर्ति को क्षरण और प्रदूषण से निपटने के लिए, खासकर 20वीं और 21वीं सदी में, कई बहाली परियोजनाओं से गुजरना पड़ा है. 1996 में, लेशान विशालकाय बुद्ध को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है.

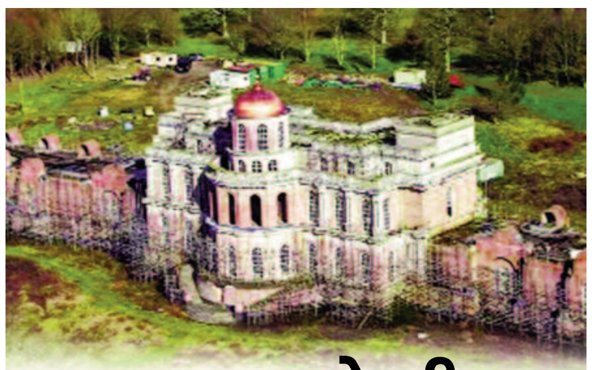

20 साल से वीरान अवस्था में है इंग्लैंड का हेमिल्टन पैलेस

इंग्लैंड के ग्रामीण इलाके में बना ये विशाल महल पिछले 20 साल से विरान अवस्था में है और यहां कोई भी नहीं रहता है। अधूरे पड़े इस महल का नाम हेमिल्टन पैलेस है। इसका आकार इग्लैंड की महारानी के शाही निवास बघिंगम पैलेस से भी बड़ा बताया जाता है। इस महल का निर्माण उस वक्त सजायाफ्ता अपराधी और ज़मीदार निकोलस वान ने अपने रहने के लिहाज से बनवाना शुरू किया था। इस महल का निर्माण कार्य सन् 1985 में आरंभ हुआ था और इसे 365 करोड़ रूपये की लागत से बनवाया गया था। मगर निकोलस को एक हत्या के रूप में सजा हो गई और ये महल अब तक खाली है।

तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव

लगभग तीन हजार मीटर की उंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव हर साल की तरह ही पर्यटकों के स्वागत की तैयारी कर चुका है। यहां पर खासतौर से लोग जंगली पीच के फूल देखने के लिए पहुंचते हैं। तिब्बत के लिटिल स्विटरजरलैंड के नाम से मशहूर इस जगह की खूबसूरती का अंदाज़ा यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद से लगाया जा सकता है। न्यिंगची का अर्थ तिब्बत भाषा में सूरज का सिंहासन होना है। 2024 में इस गांव की प्रति व्यक्ति सालाना औसत आय 4 लाख रूपये से भी ज्यादा है। न्यिंगची के लिए अगर आप रवाना हो रहे हैं, राजधानी ल्हासा से यहां तक का सफर महज तीन घंटे में तय किया जा सकता है। ल्हासा से यहां की दूरी 435 किलोमीटर है। पिछले साल शुरू हुई पहली इलेक्ट्रिक बुलेट ट्रेन ने इन दो शहरों के बीच के सफर का वक्त आधा कर दिया है और अब केवल तीन घंटों में दूरी तय की जा सकती है।

रहस्यों से भरा पड़ा है उत्तर प्रदेश में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह टीला

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर विकास खंड के महुआ डाबर ग्राम पंचायत में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह (भुलेश्वर नाथ) टीला रहस्य से भरा पड़ा है। यह ऐतिहासिक स्थल करीब 200 एकड़ में फैला हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फीट नीचे पक्की सड़क, साखू के पौधे और ईंट की दीवारें मिलीं।

यह ऐतिहासिक स्थल लगभग 200 एकड़ में फैला हुआ है. ग्रामीणों के अनुसार, जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फुट नीचे पक्की सड़क, साखू के बोटे, और ईंटों से बनी दीवारें मिलीं, जो इस स्थान के प्राचीन महत्व को दर्शाती हैं. तालाब के पास ही एक प्राचीन शिव मंदिर स्थित है, जिसके करीब एक रहस्यमयी सुरंग भी है. लोगों का मानना है कि यह सुरंग लगभग 5 किलोमीटर लंबी है. सुरंग के प्रवेश द्वार को 40 फीट नीचे ईंट-पत्थरों से बंद कर दिया गया था, जबकि बाहर मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगाया गया है. इस सुरंग और मंदिर के आसपास के इलाके में कई रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं, जो इस स्थान को और भी रहस्यमय बनाती हैं.

तालाब और टीले का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 1250 ईस्वी में थारू समाज के लोग इस क्षेत्र में निवास करते थे और यहां पूजा-पाठ करते थे. कई साल पहले टीले की खुदाई के दौरान यहां से लंबी तलवारें और 10 फीट लंबे कंकाल मिले थे. इसके अलावा, खुदाई में छोटी-छोटी सोने की मूर्तियां और सिक्के भी मिले थे. गोरखपुर के क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी नरसिंह की अगुवाई में आई टीम के अनुसार, यहां से मिले ईंटों और बर्तनों के टुकड़े छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 1250 ईस्वी तक के हैं, जो दर्शाता है कि यह स्थान 2600 वर्ष पूर्व एक नगर रहा होगा.

ग्रामीणों की मान्यताएं और अनुभव

ग्रामीण बताते हैं कि इस तालाब की मिट्टी का उपयोग राजा द्वारा टीले के निर्माण के लिए किया गया था. उन्होंने यह भी कहा कि रात में तालाब में एक सोने की नाव चलती थी, जिसमें राजा, रानी, और परियां बैठकर भ्रमण करती थीं. शिव मंदिर में भारी मात्रा में सोना और चांदी छिपा हुआ माना जाता है.

क्या है कहानी

कुछ वर्षों पूर्व, जब एक नाई ने हल चलाते समय मटके में सोना-चांदी पाया था, तो उसके बाद उसके बैल की मृत्यु हो गई और खजाने से मायारूपी आवाजें आने लगीं. यह सुनकर नाई ने वह खजाना वहीं वापस रख दिया, जहां से उसने इसे पाया था. ग्रामीणों का मानना है कि खुदाई में और भी बड़े ईंटें और मकानों की नींव मिल सकती है, जो इस स्थल की प्राचीनता और महत्व को और बढ़ा सकती हैं.

चीन-अमेरिका की लड़ाई में भारत की लगी लॉटरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच में चल रहा ट्रेड वॉर भारत के लिए अच्छी खबर लेकर आया है। भारत के व्यापार में मई 2025 में कुछ अच्छे बदलाव देखने को मिले हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री के अनुसार, मई में भारत का कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल के मुकाबले 2.77 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल मई में यह आंकड़ा 69.20 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा भी कम हुआ। मई में व्यापार घाटा कम होकर 6.62 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल यह 9.35 अरब डॉलर था। वहीं बात अगर अमेरिका के साथ निर्यात की करें तो यहां भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन से अमेरिका को होने वाला निर्यात मई 2025 में 34.5 प्रतिशत गिर गया। वहीं अमेरिका को भारत का निर्यात

17.3 प्रतिशत बढ़ गया है। हालांकि पूरी दुनिया के मामले में चीन के एक्सपोर्ट में कुछ तेजी आई है। चीन का कुल एक्सपोर्ट थोड़ा सा बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया और यह 316.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

स्वामीनॉमिक्स = अमेरिका के साथ चीन की तरह सख्ती दिखाए भारत, ट्रेड डील में ट्रंप पर ऐसे दबाव बनाकर करे सौदेबाजी

भारत समेत दूसरे देशों से बढ़ाया निर्यात

अमेरिका के साथ निर्यात में आई गिरावट की कमी को पूरा करने के लिए चीन ने दूसरे देशों के साथ नजदीकी बढ़ानी शुरू कर दी है। चीन ने यूरोपियन यूनियन, आसियान और भारत को निर्यात बढ़ा दिया है। अकेले भारत को होने वाला निर्यात 12.4 प्रतिशत बढ़कर 11.13 अरब डॉलर हो गया है। इससे डंपिंग का खतरा बढ़ गया है। डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपने सामान को दूसरे देश में सस्ते दामों पर बेचता है।

ट्रेड वॉर का मिला फायदा– अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। टैरिफ को लेकर बातचीत ट्रेड वॉर का एक अहम मुद्दा है।

आयात में आई कमी

अब बात अगर आयात की करें तो यह थोड़ा सा घटकर 60.6 अरब डॉलर हो गया है। लेकिन, बिना तेल और बिना सोने का आयात 12 प्रतिशत बढ़कर 41.2 अरब डॉलर हो गया है। जीएसटी डेटा से भी यह पता चलता है। आयात पर ड्ढत्रस्ज्ञ कलेक्शन 72.9 प्रतिशत बढ़ गया है। यह मई 2024 में 24,510 करोड़ रुपये था, जो इस साल बढ़कर 42,370 करोड़ रुपये हो गया है। दो सेक्टर में सबसे ज्यादा बदलाव दिखा। इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 27.5 प्रतिशत बढ़कर 9.1 अरब डॉलर हो गया। मशीनरी और कंप्यूटर का आयात 22 प्रतिशत बढ़कर 5 अरब डॉलर हो गया। भारत का चीन और हांगकांग से होने वाला आयात 22.4 प्रतिशत बढ़कर 12 अरब डॉलर हो गया।

मोबाइल के कारोबार में उतरेगा अमेरिकी राष्ट्रपति का परिवार

- ट्रंप ब्रांड को भुनाने की एक और कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का परिवार अब मोबाइल फोन निर्माण के नए कारोबार में उतरेगा। इसका नाम ट्रंप मोबाइल होगा। यह कदम तब उठाया गया है जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च सांविधानिक पद पर हैं। उनकी इस बात को लेकर आलोचना हो रही है कि वे अपनी निजी व्यावसायिक हितों के लिए सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। इसे ट्रंप ब्रांड की लोकप्रियता को भुनाने की एक और कोशिश करार दिया जा रहा है। ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष और डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप ने कहा कि ट्रंप मोबाइल अमेरिका में

निर्मित फोन बेचेगा और देश में ही एक कॉल सेंटर संचालित करेगा।

इस नई मोबाइल फोन और सेवा को टी1 मोबाइल नाम दिया गया है। इसकी घोषणा मध्य पूर्व में कई रियल एस्टेट सौदों के बाद हुई है, जिसमें कतर में एक गोल्फ परियोजना भी शामिल है। पिछले महीने उनके परिवार ने वियतनाम में गोल्फ कोर्स, होटल और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए 1.5 बिलियन डॉलर का साझेदारी समझौते को मंजूरी दी थी। हालांकि, इन सौदों की शुरुआत ट्रंप के निर्वाचन से पहले हो गई थी। व्यवसायों में ट्रंप के नाम से जुड़ाव पर अमेरिका के व्यापारिक और राजनीतिक हलकों में विवादों का नया दौर शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मोबाइल फोन कंपनियों की नियामक संस्था फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने उन मीडिया संस्थानों की जांच शुरू की है, जिन्हें ट्रंप नापसंद करते हैं।

गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की दूसरी बार रिकॉर्ड बिक्री

मई में सभी श्रेणी के कुल 2012969 वाहन बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री मई, 2025 में सालाना आधार पर 0.8 फीसदी घटकर 3,44,656 इकाई रह गई।इस गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की बिक्री मई में अब तक दूसरी बार सबसे ज्यादा रही।एक साल पहले की समान अवधि में 3,47,492 पीवी बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके।यह मई, 2024 में बिके

19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

पीवी की घरेलू बिक्री में मारुति शीर्ष पर– यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री में मारुति सुजुकी इंडिया सबसे आगे रही।कंपनी ने मई में कुल 1,35,962 यात्री वाहन बेचे।महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक साल पहले के 43,218 की तुलना में 52,431 यात्री वाहन बेचे।

अब घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा टैरिफ, टाटा के शेयर को बेचने की होड़

मुंबई। टाटा समूह की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार, 17 जून को एक बार चर्चा में हैं। दरअसल, ब्रिटेन और अमेरिका ने कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक ट्रेड डील पर हस्ताक्षर किए। डील की रूपरेखा के अनुसार, इस महीने के अंत से यूके ऑटो निर्यात में 1,00,000 वाहनों के सालाना कोटे पर यूएस टैरिफ 27.5 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में 2 प्रतिशत तक टूटकर 677 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल– बता दें कि 25 प्रतिशत टैरिफ के बिना यूके से यूएस में प्रवेश करने वाले अन्य प्रोडक्ट्स की सूची बाद में तय की जाएगी। ऑटो टैरिफ लगाए जाने से पहले, यात्री वाहनों पर मानक यूएस आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत था। इसका मतलब

है कि नई टैरिफ दर पारस्परिक टैरिफ से कम होगी, लेकिन वे पहले की मानक दर से अधिक होगी। मंगलवार को निफ्टी 50 इंडेक्स पर यह शेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में से एक था, क्योंकि इसकी यूके इकाई जगुआर लैंड रोवर ने चालू वित्त वर्ष के लिए कम मार्गदर्शन जारी किया था।

20 पैसे के शेयर ने बनाया करोड़पति

एक लाख के बना दिए 3.50 करोड़ रुपये, रोजाना लग रहा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। एफडी में ब्याज दर कम होने के बाद काफी लोग शेयर मार्केट में निवेश की ओर मुड़ गए हैं। शेयर मार्केट में निवेश जोखिमभरा होता है, बावजूद इसके यहां ज्यादा रिटर्न की खातिर लोग जोखिम भी ले रहे हैं। शेयर मार्केट में ऐसे कई मल्टीबैगर स्टॉक हैं जो निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। ऐसे ही एक शेयर ने मात्र 5 साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। इस शेयर का नाम ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड है। यह शेयर पिछले काफी समय से काफी तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही यह लगातार अपर सर्किट को भी छू रहा है। सोमवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा था। इस सर्किट के साथ यह शेयर 71.62 रुपये पर बंद हुआ। एक समय इस शेयर की कीमत मात्र 20 पैसे थी। मंगलवार को इसमें कोई कारोबार नहीं हुआ और यह 71.62 रुपये पर ही था। इस समय यह अपने 52 हफ्ते के उच्चतम शिखर पर है।

दो महीने में दोगुना रिटर्न– इस शेयर ने करीब दो महीने में ही निवेशकों को दोगुना रिटर्न दिया है। 15 अप्रैल को इसकी कीमत करीब 36 रुपये थी।

अब 72 रुपये से थोड़ी कम है। ऐसे में इसने करीब दो महीने में निवेशकों की रकम को दोगुना कर दिया है। अगर दो महीने पहले आपने इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आप उनकी वैल्यू करीब दो लाख रुपये हो चुकी होती।

एक साल कितना दिया फायदा

इसने एक साल में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह रिटर्न कोई 200 या 400 फीसदी नहीं, बल्कि 2000 फीसदी रहा। एक साल पहले इसकी कीमत 3.40 रुपये थी।

अगर आपने एक साल पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज 20 लाख रुपये से ज्यादा होती।

अदालती प्रतिबंध के बीच सफर के लिए खुद पार्सल बन रही जनता

सरकार से हस्तक्षेप की अपील

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य में बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लगा रखा है। अदालत की सख्ती के बीच दो पहिया वाहनों से सफर करने का विकल्प चुनने वाले लोगों ने अनोखा रास्ता निकाला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म– एक्स पर यूजर्स सरकार की सख्ती को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बाइक चलाकर जीवन–यापन कर रहे राइडर्स ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

इससे पहले विगत 14 मई को पारित एक आदेश में कर्नाटक हाईकोर्ट ने बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध बरकरार रखा। इससे रैपिडो, ओला और उबर जैसी कंपनियों को बड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार की खंडपीठ ने शुक्रवार को कहा कि अगर राज्य सरकार बाइक टैक्सी पॉलिसी बनाने में रुचि दिखाती, तो अंतरिम राहत पर विचार किया जा सकता था।

अन्न भंडारण में 20 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता हासिल

- तीन साल तक के लिए किया जा सकता है भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। अन्न भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में कुल 19.5 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो यानी भंडारगृह बनाए हैं। इन आधुनिक भंडारगृह की मदद से भंडारण तीन साल तक के लिए किया जा सकता है। पूरी तरह से स्वचालित और आधुनिक सुविधाओं से लैस भंडारगृहों ने अन्नों की बर्बादी को भी कम किया है।

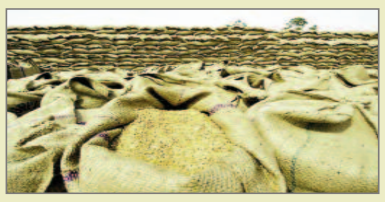

केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। इस पीपीपी मॉडल के तहत लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लि. ने भी केंद्र सरकार की ओर से 50,000 टन गेहूं के भंडारण के लिए स्टील साइलो परियोजना स्थापित की है। केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पीपीपी मॉडल में स्टील साइलो का निर्माण कर रहा है, ताकि खाद्यान्न को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके।

1 से कम के शेयर की दहाड़, आज है एनएसई टॉप गेनर, कर्जमुक्त है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच आज 1 रुपया से कम का एक स्टॉक एनएसई टॉप-20 गेनर्स की लिस्ट में है। हम बात कर रहे हैं कर्जमुक्त कंपनी केबीसी ग्लोबल लिमिटेड की। इस कंपनी के शेयर गिरावट भरे बाजार में भी दहाड़ रहे हैं। 62 पैसे के इस स्टॉक में आज अपर सर्किट लगा है। एनएसई पर इसमें 19.23 पर्सेंट की उछाल है। आज इस शेयर को बेचने को कोई तैयार नहीं है। ऑर्डर बुक में 49226054 शेयर खरीदारी के लिए लगे हैं। आज यह स्टॉक 61 पैसे के रेट से खुला और 62 पैसे के डे हाई पर पहुंच गया। इसने पिछले 5 दिन में ही 63 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले एक महीने में 59 पर्सेंट चढ़ा है। इस साल इसने करीब 29 पर्सेंट की गिरावट दर्ज की है।

क्या करती है केबीसी ग्लोबल लिमिटेड– इसका पुराना नाम करदा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड था। केबीसी ग्लोबल एक भारतीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट कंपनी है, इसका मेन बिजनेस रियल एस्टेट निर्माण एवं विकास है।

मौसमी बदलावों के कारण मई में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हुई, महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मई 2025 के दौरान बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत पहुंच गई, जो अप्रैल में 5.1 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से मौसमी उतार-चढ़ाव और भीषण गर्मी के कारण हुई, जिससे कृषि और श्रम से जुड़ी गतिविधियों पर असर पड़ा। यह जानकारी सोमवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी मासिक श्रम सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में सामने आई।

युवा और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित– नवीनतम सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले महीने पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में थोड़ी अधिक 5.8 प्रतिशत थी। युवाओं पर बेरोजगारी की अधिक मार देखने को मिली है। मई में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 15-29 आयु वर्ग के लिए बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 13.8 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल के 17.2 प्रतिशत से बढ़कर मई में 17.9 प्रतिशत हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह पिछले महीने के 12.3 प्रतिशत से बढ़कर 13.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। खासकर, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पूरे देश में बढ़कर 16.3 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 14.4 प्रतिशत थी। पुरुषों में इसी आयु वर्ग के लिए यह दर 13.6 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों से यह भी सामने आया है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) मई में घटकर 54.8 प्रतिशत रह गई जो अप्रैल में 55.6 प्रतिशत थी। महिलाओं की भागीदारी दर में गिरावट ग्रामीण इलाकों में अस्थायी और अवैतनिक कार्यों से बाहर होने वाली महिलाओं की संख्या में कमी से जुड़ी है। श्रमिक जनसंख्या अनुपात भी घटकर मई में 51.7 प्रतिशत हो गया, जो अप्रैल में 52.8 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 54.1 प्रतिशत, जबकि शहरी क्षेत्रों में 46.9 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कृषि गतिविधियों में मंदी और गर्मी बनी कारण

आयात घटने से व्यापार घाटा कम होकर 21.88 अरब डॉलर

इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इस्राइल तनाव, अन्य वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण भारत से निर्यात में लगातार दो महीने तक बढ़ोतरी के बाद फिर गिरावट आई है। देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया।

उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया। यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब

डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा।वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया।

इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात 54 फीसदी बढ़ा– इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली।

क्रूड-सोने का आयात 26.14 फीसदी तक घटा

मई में कच्चे तेल का आयात 26.14 फीसदी घटकर 14.75 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान 2.5 अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जो सालाना आधार पर 12.6 फीसदी की कमी दर्शाता है।

अमेरिका और चीन को 25 प्रतिशत तक बढ़ा निर्यात

भारत से मई में जिन देशों को निर्यात बढ़ा, उनमें अमेरिका, चीन, सिंगापुर, बेल्जियम, रूस और जर्मनी शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया।

ईरान अब नहीं रहा दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश, इजरायल में इससे 75 गुना महंगा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान अब दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश नहीं रहा। इसकी जगह लीबिया ने ले ली है। ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल

लीबिया में 2.35 रुपये लीटर है। जबकि, ईरान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 2.44 रुपये है। इसके बाद नंबर वेनेजुएला का है, जहां पेट्रोल की कीमत 2.99 रुपये लीटर है। चौथे नंबर पर अंगोला है। अंगोला में पेट्रोल 27.98 रुपये लीटर बिक रहा है। आंकड़े 9 जून को अपडेट किए गए थे। बता दें इजरायल में एक लीटर पेट्रोल की कीमत भारतीय करेंसी में 181.06 रुपये लीटर है।

कच्चे तेल की कीमतों में आग

ईरान–इजरायल युद्ध के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी है। आज तेजी के बावजूद कच्चा तेल 75 डॉलर प्रति बैरल के नीचे है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक ब्रेंट क्रूड के अगस्त वायदा में 0.30 पर्सेंट की बढ़ोतरी है और यह 73.45 डॉलर प्रति बैरल पर है। डब्ल्यूटीआई का जुलाई वायदा भी 0.42 पर्सेंट चढ़कर 72.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

पेट्रोल-डीजल के नए रेट अपडेट

इस बीच भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी पेट्रोल–डीजल के नए रेट अपडेट कर दी हैं। आज भी यहां पेट्रोल–डीजल के दाम में कोई बढ़ोतरी या कमी नहीं की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

एमएलसी 2025

टेक्सास सुपर किंग्स ने लगाई जीत की हैट्रिक, सिएटल ऑर्कस को 93 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के सातवें मैच में सिएटल ऑर्कस के खिलाफ 93 रन से रौंदा। इसी के साथ टेक्सास सुपर किंग्स ने जीत की हैट्रिक लगा दी है। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट गंवाकर 153 रन बनाए। इस टीम को 22 के स्कोर पर कप्तान फाफ डू प्लेसिस के रूप में पहला झटका लगा। डू प्लेसिस महज सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद डेवोन कॉन्वे (13) भी चलते बने। टीम 26 के स्कोर तक अपने सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से सैतेजा मुक्कामल्ला ने डेरिल मिचेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी की। मुक्कामल्ला 23 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ने 26 गेंदों में 25 रन बनाए। इसके अलावा मार्कस स्टोइनिस ने टेक्सास के खाते में 28 रन जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से जसदीप सिंह और हरमीत सिंह ने सर्वाधिक दो-दो विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में सिएटल ऑर्कस की टीम 13.5 ओवरों में सिर्फ 60 रन पर सिमट गई। महज 21 के स्कोर ऑर्कस की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी, जहां से उसके लिए संभलना मुश्किल हो गया। इस टीम के लिए आरोन जोन्स ने 17, जबकि जसदीप सिंह ने 12 रन बनाए। इनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सका। टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से जिया-उल-हक, नांद्रे बर्गर और नूर अहमद ने सर्वाधिक तीन-तीन शिकार किए। टेक्सास सुपर किंग्स अपने अगले मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न को चुनौती देगी। दोनों ही टीमें लगातार तीन-तीन मैच जीतकर इस मुकाबले में उतरेंगी। वहीं, लगातार दूसरी हार के बाद सिएटल ऑर्कस अगले मैच में एमआई न्यूयॉर्क का सामना करने जा रही है। इन दोनों ही टीमों ने अभी तक जीत का खाता नहीं खोला है।

अब चार दिन के होंगे टेस्ट मैच, भारत समेत तीन टीमें रहेंगी अपवाद

दुबई, एजेंसी। एक रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में चर्चा के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के आने के बाद से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच दोगुना हो गया है। अब टीमों के बीच जीत को लेकर रोमांचक जंग देखने को मिलती है। हालांकि, इसे और रोचक बनाने के लिए आईसीसी प्लेइंग कंडीशन में बदलाव करने जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2027-29 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें इसमें अपवाद रहेंगी। ये तीनों देश एक दूसरे के खिलाफ पारंपरिक पांच दिवसीय मैच खेलेंगे। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण और बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। आईसीसी का मानना है कि इससे छोटे देशों को ज्यादा से ज्यादा टेस्ट और लंबी सीरीज खेलने में मदद मिलेगी। द गार्जियन अखबार की एक रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में चर्चा के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसकी चर्चा फाइनल के दौरान इसलिए हुई ताकि समय से इस नियम को मंजूरी मिल सके और इसके लिए नियम बनाएं जा सकें।

अश्विन पर मौजूदा तमिलनाडु प्रीमियर लीग में गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन पर तमिलनाडु प्रीमियर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मदुरै पैंथर्स ने हाल ही में टीएनपीएल को एक लिखित शिकायत दी थी जिसमें अश्विन और मौजूदा खिताब धारक डिंडीगुल ड्रैगन्स पर शनिवार 14 जून को गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया था। टीएनपीएल के सीईओ प्रसन्ना कन्नन ने पैंथर्स से इस प्रतिष्ठित ऑफ स्पिनर के खिलाफ अपने आरोप का समर्थन करने के लिए सबूत मांगे हैं, जिन्होंने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और उनके नाम 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर मदुरै फ्रेंचाइजी सबूत पेश करने में विफल रहती है, तो अश्विन के खिलाफ इस तरह का आरोप लगाने के लिए दंड का सामना करना पड़ेगा। प्रसन्ना ने कहा, उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई है, जिसे हमने स्वीकार कर लिया है। हालांकि उन्हें खेल के 24 घंटे के भीतर कोई भी शिकायत दर्ज करानी होती है, फिर भी हमने इसे स्वीकार कर लिया है और उनसे अपने आरोपों का सबूत पेश करने को कहा है। उन्होंने कहा, अगर हमें लगता है कि उनके आरोपों में कोई सच्चाई है, तो हम एक स्वतंत्र समिति का गठन करेंगे। पर्याप्त सबूतों के बिना, किसी खिलाड़ी और दूसरी फ्रेंचाइजी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना गलत है। अगर वे कोई सबूत नहीं देते हैं, तो मदुरै को उचित दंड का सामना करना पड़ेगा।

पैंथर्स ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि अश्विन और उनके ड्रैगन्स टीम के साथियों ने गेंद को पोंछने के लिए रसायन वाले तौलिये का इस्तेमाल किया जिसके परिणामस्वरूप गेंद भारी हो गई और बल्ले से संपर्क करने पर धातु जैसी आवाज आई। मदुरै फ्रेंचाइजी के सीओओ एस महेश ने टीएनपीएल को अपनी शिकायत में लिखा, डिंडीगुल ड्रैगन्स के खिलाफ हमारे हालिया मैच के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का एक गंभीर मामला सामने आया। बार-बार चेतावनी के बावजूद डिंडीगुल की टीम ने गेंद से छेड़छाड़ की, ऐसे तौलिये का इस्तेमाल किया जो रसायनों से उपचारित लग रहे थे।

5 गेंद पर 5 विकेट...

● दिग्वेश राठी का आईपीएल के बाद भी जलवा कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में अपनी धारदार गेंदबाजी और अनोखे सेलिब्रेशन से चर्चा में आए दिग्वेश राठी ने टी20 के एक मुकाबले में कमाल कर दिया है. उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. लखनऊ सुपरजायंट्स के युवा स्पिनर दिग्वेश राठी ने एक लोकल टी-20 मैच में लगातार 5 गेंदों में 5 विकेट झटका है. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ही टीम के मालिक संजीव गोयनका ने भी इसका वीडियो शेयर किया है. मैच के दौरान दिग्वेश राठी ने लगातार पांच गेंदें फेंकीं और हर गेंद पर एक विकेट लिया. इस तरह उन्होंने सिर्फ एक ओवर में आधी टीम को पवेलियन भेज दिया. इससे पहले श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार गेंदों में चार विकेट लिए थे, लेकिन राठी ने अब उससे एक कदम आगे बढ़कर पांच विकेट झटके हैं. हालांकि, उन्होंने ये कारनामा एक लोकल मुकाबले में किया. उन्होंने ये कमाल कब किया ये साफ नहीं है.

कैसे हुआ यह कमाल?

राठी ने हर गेंद पर बल्लेबाजों को चकमा दिया. उनकी गुगली और फ्लिपर गेंदों को बल्लेबाज समझ ही नहीं सके और लगातार आउट होते चले गए. यह प्रदर्शन न केवल रोमांचक था, बल्कि यह दिखाता है कि राठी में एक बड़ा स्पिनर बनने की क्षमता है.

दिग्वेश राठी ने आईपीएल 2025 में एलएसजी के लिए खेलते हुए 13 मैचों में 14 विकेट चटकाए थे. वह अपनी खास नोटबुक सेलिब्रेशन के लिए भी काफी फेमस हैं. विकेट लेने के बाद वह एक काल्पनिक डायरी निकालकर बल्लेबाज का नाम लिखते हैं, जो फैन्स को बहुत पसंद आता है.

चेल्सी की जीत में चमके पेड्रो नेटो, साथी खिलाड़ी का जताया आभार

अटलांटा । चेल्सी ने लॉस एंजिल्स एफसी के खिलाफ 2-0 से जीत के साथ अपने फीफा क्लब विश्व कप अभियान की शुरुआत की है। चेल्सी के स्टार पेड्रो नेटो ने मुकाबले के 39वें मिनट पर गोल दागकर चेल्सी का खाता खोलने में मदद की। मैच जीतने के बाद पेड्रो ने शुरुआती गोल के लिए निकोलस जैक्सन के पास को श्रेय दिया है। जैक्सन ने नेटो को एक बेहतरीन पास दिया, जिसका फायदा उठाकर पेड्रो ने ह्यूगो लॉरिस को पीछे छोड़ते हुए गोल दागा। इस गोल ने चेल्सी को अटलांटा में एलएएफसी के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शानदार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जीत के बाद नेटो ने फीफा से कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने टीम में कई पोजिशन पर खेला है। यह क्लब के साथ मेरा पहला साल है। मैं इस समय जिस तरह से प्रदर्शन कर रहा हूं, उससे सच में खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं इसी तरह आगे भी खेलूंगा। अपने गोल के बारे में नेटो ने कहा, मुझे पास के लिए निको का शुक्रिया अदा करना चाहिए। वह मेरे साथ थोड़ा मजाक कर रहे थे, क्योंकि मैंने (अपने जश्न के दौरान) उनका शुक्रिया अदा नहीं किया था, इसलिए मैं अब निको का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करूंगा! नेटो 2024/25 सीजन के शानदार अंत के बाद क्लब वर्ल्ड कप के लिए यूएसए गए। उनके प्रदर्शन ने चेल्सी को प्रीमियर लीग में चौथा स्थान दिलाने में मदद की। नेटो ने कहा, हमें आत्मविश्वास से लबरेज होना होगा। हमने सीजन का अंत वाकई शानदार तरीके से किया। हमारे पास जो खिलाड़ी और जो टीम है, उसके साथ हमें खुद पर भरोसा रखना होगा। हम जितने भी गेम खेलेंगे, उसमें इसे बरकरार रखना होगा। इस बीच, चेल्सी के कोच एन्जो मारेस्का का मानना है कि नेटो टीम को एक अलग लेवल पर लेकर जा सकते हैं। एन्जो मारेस्का ने कहा, पेड्रो एक बहुत अच्छे इंसान हैं। वह बहुत प्रोफेशनल हैं। वह हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने बहुत अच्छा गेम खेला।

रोमांच की हदें पार, पहली बार हुए 3 सुपर ओवर

नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो में स्कॉटलैंड टी20 ट्राई सीरीज के दूसरे मैच का ऐतिहासिक अंत हुआ। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच मैच तीसरे सुपर ओवर में पहुंचा। डच टीम ने रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। यह पहली बार था जब कोई पेशेवर पुरुष क्रिकेट मैच (टी20 या लिस्ट ए) का निर्णय तीसरे सुपर ओवर में निकला।

नेपाल को आखिरी ओवर में जीतने के लिए 16 रन चाहिए थे

मैच के अंतिम ओवर में नेपाल को जीतने के लिए 16 रन चाहिए थे। नंदन यादव ने तेज गेंदबाज काइल क्लेन के ओवर में 4, 2, 2, 4 रन बनाए और मैच को पहले सुपर ओवर में ले गए। बाएं हाथ के स्पिनर डेनियल डोरम ने पहले सुपर ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने 19 रन दिए, जबकि कुशाल भुर्टेल ने दो छक्के और एक चौका लगाया। डोरम ने मैच के दौरान चार ओवरों में सिर्फ 14 रन दिए और तीन विकेट लिए।

दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा मैच

नीदरलैंड्स की ओर से माइकल लेविट ने पहली गेंद पर छक्का लगाया और मैक्स ओ'डॉड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 ठोककर खेल को दूसरे सुपर ओवर में ले गए। दूसरे सुपर ओवर में ललित राजबंशी की पहली तीन गेंदों पर दो छक्के लगे, लेकिन उन्होंने अच्छी वापसी की और नीदरलैंड्स को 17 रन पर रोक दिया। रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, जबकि दीपेंद्र सिंह ऐरी ने चौका लगाया और अंतिम गेंद पर सात रन चाहिए थे।

ऐरी ने फिर क्लेन को काउ कॉर्नर पर छक्का लगाकर नैच को पहली बार तीसरे सुपर ओवर में पहुंचाया।

तीसरे सुपर ओवर में नेपाल नहीं बना पाया रन

ऑफ स्पिनर जैक लॉयन-कैशेट ने तीसरे सुपर ओवर की शुरुआत की और पौडेल और डेब्यूटेंट रूपेश सिंह के विकेट चटकाए। इससे नेपाल एक भी रन नहीं बना सका। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का जड़कर रोमांचक मुकाबले का अंत किया।

नेपाल ने पांच ओवर में 52 रन पर 2 विकेट गंवाए

इससे पहले 152 रनों का बचाव करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन फ्लेचर ने अपने टी20 करियर की शानदार शुरुआत की, उन्होंने लोकेश बाम को फुल और वाइड गेंद पर कैच आउट कराया। इसके बाद क्लेन ने अनिल साह को मिड-ऑन पर कैच कराया। इससे नेपाल का स्कोर 2.1 ओवर में 9 विकेट पर 2 विकेट हो गया। फिर भुर्टेल और पौडेल ने नीदरलैंड्स पर अटैक किया। नेपाल ने पांच ओवर में 52 रन पर 2 विकेट गंवा दिए, लेकिन डोरम ने भुर्टेल को 34 रन पर आउट कर दिया।

इंग्लैंड दौरा: डी दीपेश और नमन पुष्पक भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि डी दीपेश और नमन पुष्पक को चोटिल आदित्य राणा और खिलान पटेल की जगह आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई तक चलेगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'जूनियर क्रिकेट समिति ने आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए आदित्य राणा और खिलान पटेल की जगह क्रमशः डी दीपेश और नमन पुष्पक को टीम में शामिल किया है। दीपेश और नमन दोनों ही दौरे के लिए

स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे हाई परफोर्मेंस शिविर के दौरान आदित्य को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ जबकि खिलान को दाएं पैर में चोट लगी। टीम की अगुआई आयुष म्हात्रे करेंगे जिन्होंने आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। इस दौरे में लॉफबोरो यूनिवर्सिटी में 50 ओवर का अभ्यास मैच होगा जिसके बाद होव, नॉर्थम्पटन और वॉर्सेस्टर में पांच मैच की युवा एकदिवसीय श्रृंखला होगी।

संन्यास के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यहां किया डेब्यू, 233 के स्ट्राइक रेट से मचाई तबाही, मारे सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे क्रिकेट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस ने मेजर लीग क्रिकेट में धमाकेदार डेब्यू किया है. उनकी डेब्यू कितनी गजब की रही, इसका अंदाजा आप इस बात से ही लगा सकते हैं कि वो अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से खेलने और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी रहे. स्टोइनिस ने एमएलसी 2025 में अपना डेब्यू मैच ताबड़तोड़ तरीके से टेक्सास सुपर किंग्स के लिए खेला. धुआंधार इनिंग खेलते हुए वो अपनी टीम के दूसरे टॉप स्कोरर भी रहे.

मार्कस स्टोइनिस ने इसी साल फऱवरी में वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सबको चौंका दिया था.ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम की एक बेहद अहम कड़ी मार्कस स्टोइनिस ने मेजर लीग क्रिकेट 2025 में सिएटल ओर्कास के खिलाफ डेब्यू किया. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी टेक्सास की टीम ने ही की, जिससे स्टोइनिस खेल रहे थे. टीम का आगाज अच्छा नहीं रहा. सिर्फ 26 रन पर उसके दोनों ओपनर डगआउट लौट गए. मगर उसके बाद तीसरे विकेट के लिए एक अर्धशतकीय साझेदारी हुई. साईतेजा और डैरिल मिचेल की वो साझेदारी टूटी तो क्रीज पर मार्कस स्टोइनिस अपना पहला एमएलसी मैच खेलने उतरे.

मार्कस स्टोइनिस ने उतरते ही सिएटल के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया. उन्होंने 233.33 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग की और सिर्फ 12 गेंदों में ही 28 रन ठोक दिए. मार्कस स्टोइनिस की पारी में 4 छक्के शामिल रहे, जो कि इनिंग के दौरान टेक्सास के दूसरे किसी बल्लेबाज के मुकाबले सबसे ज्यादा थे.

मार्कस स्टोइनिस के दिखाए इस अंदाज को नीचले क्रम में मिलिंद कुमार और शुभम रंजने ने अच्छा अंजाम दिया. मिलिंद 13 गेंदों पर 18 रन बनाकर नाबाद रहे. वहीं शुभम 8 गेंदों पर 15 रन बनाकर नॉट आउट रहे.

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस की उस ताबड़तोड़ इनिंग का असर ये हुए कि टेक्सास सुपर किंग्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 153 रन बनाने में कामयाब रही. टेक्सास की ओर से मार्कस से ज्यादा 30 रन सिर्फ साईतेजा ने बनाए.

एक और दिग्गज ने किया रुखसती का ऐलान, 7400 रन और 226 विकेट हैं नाम

नई दिल्ली, एजेंसी । साल 2025 को क्रिकेटर्स के रिटायरमेंट के लिए याद किया जाएगा। संन्यास लेने वालों में स्टीव स्मिथ, विराट कोहली, रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों का नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में एक दिग्गज महिला क्रिकेटर का नाम जुड़ गया है। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने महिला वर्ल्ड कप के बाद वनडे से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने लगभग 7400 रन बनाए हैं और 226 विकेट लिए हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे को नहीं भूल पा रहीं मंदिरा बेदी

अभिनेत्री और फिटनेस आइकन मंदिरा बेदी हाल ही में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के दर्द को भुला नहीं पा रही हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया और बताया कि इससे उबरने के लिए वह पेशेवर काउंसलर की मदद ले रही हैं। मंदिरा बेदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से अपने दुख के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया

कि यह दुख उन्हें अंदर ही अंदर कचोट रहा है और इसका असर न केवल उनके काम बल्कि बच्चों के साथ बिताए समय को भी प्रभावित कर रहा है। जिंदगी के कई हिस्सों पर इसका असर पड़ रहा है। वीडियो में मंदिरा कहती नजर आई, हादसे के बाद से मेरे दिल पर एक बोझ सा है। यह दुख चुपके से हर पल मेरे साथ रहता है। मैंने फैसला किया कि इसे अकेले नहीं झेलूंगी और एक काउंसलर से बात करूंगी। अगर आप भी उदास, चिंतित या असंतुलित महसूस कर रहे हैं, तो जान लें कि आप अकेले नहीं हैं। अपनी भावनाओं को स्वीकार करना और उस पर काम करना भी जरूरी है। शेयर किए गए वीडियो के साथ मंदिरा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बुरी यादें अपने आप खत्म नहीं होतीं। हमें उन्हें दूसरों के साथ शेयर करने की जरूरत पड़ती है। मैं यही कर रही हूं। अगर आप भी बोझ महसूस कर रहे हैं, तो इसे अपनाएं। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद के मेघानी नगर क्षेत्र के पास एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 242 यात्रियों में से 241 की जान चली गई थी।

ओवरईटिंग से बचने का दिया मंत्र

कृष्णा श्रॉफ ने 'चीट मील्स' को कहा अलविदा

फिटनेस आइकन और उद्यमी कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्होंने चीट मील्स को अलविदा कह दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका इसे लेकर क्या नजरिया है। इसके साथ ही कृष्णा ने ओवरईटिंग से बचने का भी मंत्र दिया। जहां कई फिटनेस लवर हफ्ते में चीट मील्स को मेंटल रीसेट का जरिया मानते हैं और इसे अपनाने की सलाह देते हैं, वहीं कृष्णा का इस विचार के प्रति नजरिया बिल्कुल अलग है। उन्होंने पारंपरिक चीट मील नियमों से हटकर इन्ट्यूटिव ईटिंग को अपनाया है। उन्होंने बताया कि फिटनेस केवल नियमों और पुरस्कार के सर्किल पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि खाने के साथ संतुलित संबंध बनाने पर भी फोकस करना चाहिए।

कृष्णा ने बताया, अब मेरी लाइफ में कोई चीट मील डे नहीं होता। जब मैंने अपनी फिटनेस जर्नी शुरू की थी, तब मैं यह नियम जरूर फॉलो करती थी कि हफ्ते में एक बार चीट मील लिया जाए। लेकिन, अब जब मैं इस सफर में कुछ आगे बढ़ चुकी हूं, तो मुझे समझ में आ गया है कि ऐसा करना मुझे मेरी प्रगति से दो कदम पीछे ले जाता है। यह करना जरूरी तो नहीं है। उनका मानना है कि यह फिटनेस के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने आगे बताया, मैं अब अपने पसंदीदा खाने को ही अपनी डाइट में शामिल कर लेती हूं। मैं इसे डाइट भी नहीं कहूंगी, क्योंकि मैं सच में डाइटिंग नहीं कर रही। मैं अब इन्ट्यूटिव ईटिंग कर रही हूं और यह एक अभ्यास की तरह है।

जैसे-जैसे इस क्षेत्र में अनुभव बढ़ता है, वैसे-वैसे आप भी इसे बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इसलिए मैं अपने पसंदीदा भोजन को अपने खाने में शामिल कर लेती हूं, ताकि मुझे कभी ओवर-ईटिंग की इच्छा न हो और फिर पछतावा महसूस न हो कि मैंने अपनी मेहनत पर पानी फेर दिया। इसे आप भी जिंदगी में अपना सकते हैं!

जस्टिन बीबर ने स्वीकार किया कि वह टूट चुके हैं

कनाडाई गायक जस्टिन बीबर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक बार फिर अपने मानसिक स्वास्थ्य पर चिंता जताई है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने एक पोस्ट डाली, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वह टूट चुके हैं और गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते रहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता? म

ुझे पता है कि मैं टूट चुका हूं। मुझे पता है कि मुझे गुस्से की समस्या है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जिन्होंने मुझसे कहा था कि मुझे उनके जैसा ठीक होना चाहिए। और यह मुझे और ज्यादा थका देता है और ज्यादा गुस्सा दिलाता है। जस्टिन ने कहा कि वह खुद के बारे में सोचकर थक गए हैं। पोस्ट में उन्होंने लिखा, मैं जितना ज्यादा आगे बढ़ने की कोशिश करता हूं, उतना ही ज्यादा मैं खुद पर ध्यान केंद्रित करता हूं। यीशु ही एकमात्र व्यक्ति है जो मुझे दूसरों के बारे में अपना जीवन बनाने के लिए प्रेरित करता है। क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो मैं हाल ही में खुद के बारे में सोचकर थक गया हूं, है न?

इससे पहले, उन्होंने एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से सभी से एक-दूसरे पर अपनी असुरक्षाओं को प्रोजेक्ट न करने का आग्रह किया। जस्टिन ने लिखा, मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं कैसा कर रहा हूं। मैं तुम्हारे साथ ऐसा नहीं करता। क्योंकि मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कैसा है। यह कठिन है। आइए हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी असुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से दमनकारी है।

कास्टिंग काउच का सामना कर चुके हैं राजीव खंडेलवाल

➲ खुद के टैलेंट पर भरोसा था, इसलिए सीधे डायरेक्टर से कहा- सॉरी, मुझसे कुछ नहीं मिलेगा

एक्टर राजीव खंडेलवाल छोटे और बड़े पर्दे का जानामाना नाम हैं। हाल ही में एक्टर ने एक इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में होने वाले कास्टिंग काउच पर बात की। एक्टर ने इससे जुड़ा अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उनके लिए निपटना कितना मुश्किल था। राजीव याद करते हैं कि उन्होंने शुरुआती दौर में सेक्शुअल हैरेसमेंट को कैसे संभाला। वो कहते हैं- 'एक्टर के लिए यह जानना जरूरी है कि वो कौन है और कैसे सफलता हासिल करना चाहता है। इसे संभालना बहुत मुश्किल भी हो सकता है और बहुत आसान भी। आपको पहचानना होगा कि आप कौन हैं। जितनी जल्दी आप पहचान लेंगे कि आप कौन हैं और क्या बनना चाहते हैं। क्या मैं साम दाम दंड भेद कर सफलता पाना चाहता हूं या क्या मैं वह शख्सियत हूं जिसे यह सब करके कोई खुशी नहीं मिलेगी?'

राजीव जल्द ही जाह्न्वी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म परम सुंदरी में नजर आएंगे

राजीव ने आगे कहा, मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो मिलने वाली हर मुस्कान और तारीफ को हासिल करना चाहता हूं। लालच से लड़ना मुश्किल है, और यदि आप जानते हैं कि आप कौन हैं तो यह आसान है। मैं उनसे कहता था, सॉरी सर, मुझसे नहीं मिलेगा आपको।' इंटरव्यू में राजीव कहते हैं कि फिर उनके मन में यह विचार आता था, क्या सामने वाला ही उनकी किस्मत लिखेगा? उन्होंने कहा, माफ करना बॉस, आप मेरा भविष्य नहीं लिखेंगे, मैं ऐसा करूंगा। मैं किसी एक व्यक्ति को महत्व नहीं देता कि इससे मेरी जिंदगी बनेगी या बिगड़ेगी। राजीव की वर्कफ्रंट की बात करे तो उन्होंने छोटे पर्दे पर 'कहीं तो होगा', 'रिपोर्ट्स', 'टाइम बम', 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' जैसे सीरियल्स में काम किया था। लेकिन उनकी पहचान 'कहीं तो होगा' की सुजल के रूप में बनी। बॉलीवुड में उन्होंने फिल्म 'आमिर' से अपना डेब्यू किया था। इसके बाद वो कई फिल्मों और वेब सीरीज का हिस्सा रह चुके हैं।

सितारे जमीन पर बिना किसी कट के हुई पास

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' को सेंसर बोर्ड की तरफ से बिना किसी कट के पास कर दिया गया है। पिछले दिनों खबर आई थी कि फिल्म पर सीबीएफसी की कैंची चल सकती है, लेकिन अब फिल्म के रिलीज को हरी झंडी मिल गई है। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' को आखिरकार सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से हरी झंडी मिल गई है। खास बात ये है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को बिना किसी कट के थिएटर में रिलीज करने की अनुमति दी है, जिससे आमिर के फैंस के बीच उत्साह दोगुना हो गया है। फिल्म की रिलीज से पहले इसे लेकर कुछ अड़चनों का सामना करना पड़ा था।

द बंगाल फाइल्सः

100 साल के किरदार के लिए पल्लवी जोशी ने खुद को ऐसे किया तैयार

अभिनेत्री-निर्माता पल्लवी जोशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में 100 साल की 'मां भारती' के किरदार में नजर आएंगी। यह उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण रोल है। उन्होंने इस किरदार के लिए की गई मेहनत, मेकअप और भावनात्मक तैयारियों के बारे में खुलकर बात की। पल्लवी ने बताया, 100 साल की उम्र का

किरदार निभाना बहुत मुश्किल था। ज्यादातर प्रोस्थेटिक से मैं डरावनी लग रही थी, जो हम नहीं चाहते थे। मां भारती को मासूम, प्यारी और सभी के लिए आत्मीय दिखना था।

उन्होंने अपनी दादी को प्रेरणा बताया, जिन्हें उन्होंने बेहद प्यारी बताया। पल्लवी ने कहा, मैंने छह महीने तक किरदार के लुक पर काम किया। मैंने अपनी त्वचा को रूखा दिखाने के लिए स्किनकेयर तक छोड़ दिया। मां भारती के डिमेंशिया का मैंने इतना अभ्यास किया कि यह मेरे लिए स्वाभाविक हो गया। मैं अपनी दादी को इस रोल के लिए प्रेरणा मानती हूं। मेरी तकनीकी टीम ने भी पूरा सहयोग दिया। 'द बंगाल फाइल्स' का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है और इसे पल्लवी जोशी और अभिषेक अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मां भारती का किरदार शानदार और पवित्रता का प्रतीक है।

खास बात है कि पल्लवी भारतीय सिनेमा में 100 साल की उम्र का किरदार निभाने वाली पहली अभिनेत्री बनेंगी। गंभीर मुद्दों पर फिल्म बनाने के लिए मशहूर विवेक रंजन द कश्मीर फाइल्स, वैक्सीन वॉर जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। बंगाल की त्रासदी और हिंदू नरसंहार पर बनी द बंगाल फाइल्स में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ अनुपम खेर, गोविंद नामदेव, पुनीत इस्सर, बब्बू मान और पालोमी घोष भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया है, जिसमें हर एक किरदार दर्द और तड़प में डूबा नजर आया।

चित्रांगदा सिंह ने किया हाउसफुल 5 का बचाव, कहा- हर फिल्म सामाजिक तौर से सही नहीं होती

अभिनेत्री चित्रांगता ने हाउसफुल 5 फिल्म का बचाव किया है। उन्होंने अपने करियर के बारे में बताया है और अक्षय कुमार की तारीफ की है। फिल्म हाउसफुल 5 पर इल्जाम लग रहे हैं कि इसमें महिलाओं का प्रदर्शन किया गया है।

इसके लिए फिल्म की आलोचना हो रही है। इस पर फिल्म की अभिनेत्री ने हाउसफुल 5 का बचाव किया है। चित्रांगदा सिंह ने कहा है कि सिनेमा को उसकी शैली के हिसाब से देखना चाहिए। हर फिल्म नौतिक या राजनीतिक नहीं होती है।

अक्षय कुमार ने लिए दमदार किरदार

बातचीत में चित्रांगदा सिंह ने कहा मुझे लगता है कि हर फिल्म की शैली अलग होती है। उसके लिए एक सुर एक लय होती है। उन्होंने उस बात का जवाब दिया जिसमें कहा गया है कि हाउसफुल 5 वस्तुकरण करती है। चित्रांगदा सिंह ने कहा अक्षय कुमार ने जो कुछ किया वह हाउसफुल 5 नहीं है। उन्होंने पैडमैन, टॉयलेट- एक प्रेम कथा और केसरी जैसी फिल्में की है।

चित्रांगदा ने आगे बताया कि उन्होंने एक कलाकार के तौर पर सामाजिक रूप से सशक्त महिला से लेकर ग्लैमरस भूमिकाएं निभाई हैं।

'डॉन 3' में कियारा को रिप्लेस करेंगी कृति सेनन! पैपराजी के सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

2026 में रिलीज हो सकती है फिल्म

कृति सेनन इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस फिल्म डॉन 3 में नजर आ सकती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जब पैपराजी ने कृति को लेडी डॉन कहकर बुलाया, तो वह मुस्कुरा दीं। इसके बाद से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि कियारा आडवाणी की जगह अब कृति सेनन फिल्म में नजर आ सकती हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि कृति सेनन मुंबई में किसी इवेंट में शिरकत करने पहुंची थीं। जैसे ही वह बाहर आईं, पैपराजी ने उन्हें पोज देने के लिए कहा। इसी दौरान पहले उन्हें परम सुंदरी कहकर पुकारा गया और फिर डॉन-डॉन की आवाजें आने लगीं। इतना ही नहीं, एक फोटोग्राफर ने उन्हें लेडी डॉन भी कह दिया। यह सुनते ही कृति ने कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन वह मुस्कुराती हुई नजर आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन ने फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने के लिए हामी भर दी है। अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन जल्दी ही कर सकती हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि डायरेक्टर फरहान अख्तर और उनकी टीम को ऐसी एक्ट्रेस चाहिए थी जो अच्छी एक्टिंग करे और जिसका स्क्रीन पर दमदार असर हो और कृति इस रोल के लिए एकदम सही लगीं। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

साभार एजेंसी